DILCHASPI
निर्भीक-निष्पक्ष एवं निरंतर
दिलचस्पी
कोरबा से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक अखबार
आरएनआई रजि. क्र.- CHHHIN/2009/28134
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा। झण्डा ऊंचा रहे हमारा।।
Website:- www.dilchaspinews.com
E-mail:- dilchaspi2009@gmail.com
वर्ष 17 अंक 40 कोरबा, गुरूवार 22 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक पृष्ठ- 8 मूल्य 4.00 रूपये

लोकतंत्र पर खतरे का आरोप

खोज-खोजकर मतदाताओं के काटे जा रहे हैं नाम : भूपेश बघेल

पूर्व सीएम ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर उठाए सवाल

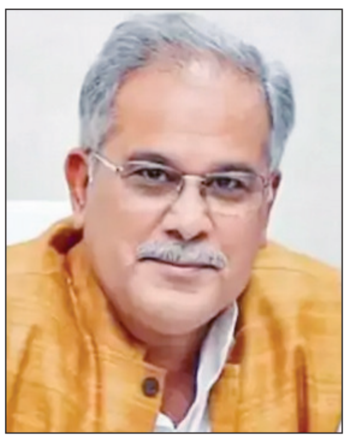

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। असम से रायपुर लौटे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में डूबी सरकार लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। अब हालात ऐसे हैं कि पहले जनता सरकार चुनती थी, लेकिन अब सरकार मतदाता चुन रही है। इसी वजह से खोज-खोज कर मतदाताओं के नाम सूची से काटे जा रहे हैं।

भूपेश बघेल ने कहा कि यह प्रक्रिया सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक मंशा से प्रेरित नजर आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार साधु-संतों तक का अपमान करने से नहीं चूक रही और लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों को ताक पर रखा जा रहा है। दावा-आपत्ति की आखिरी तारीख यानी 22 जनवरी तक 1.97 लाख आवेदन पहुंचे। प्रारंभिक मतदाता सूची से 19.13 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए, जबकि नाम जोड़ने और इसमें वे लोग भी शामिल हैं, जो पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहे हैं। 23 दिसंबर को प्रारंभिक सूची के प्रकाशन के समय प्रदेश में कुल 27.34 लाख नाम हटाए गए थे। इनमें से 6.42 लाख नाम मृत्यु के आधार पर हटाए गए, जबकि शेष 19.13 लाख लोगों के बारे में माना गया कि वे स्थानांतरित हो चुके हैं।

77वें गणतंत्र दिवस परेड में 'वंदे मातरम' थीम पर 30 झांकियां, कर्तव्य पथ पर दिखेगा भारत का गौरव

यूरोपीय परिषद और आयोग के अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गणतंत्र दिवस परेड पर सबसे आकर्षण का केंद्र होती हैं रंग-बिरंगी झांकियां। सांस्कृतिक धरोहर और विकासात्मक उपलब्धियों का जीवंत प्रदर्शन करने वाली इन झांकियों का सबको बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। तो जनाब तैयार रहिए, इस बार 77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की थीम पर आधारित 30 झांकियों से झंकृत होगा।

आखिर हो भी क्यो न, देश इस वर्ष ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष जो पूरे कर रहा है। इन झांकियों का विषय 'स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्र - आत्मनिर्भर भारत' होगा। यानी परंपरा और नवाचार का संगम देखने को मिलेगा। कुल 30 झांकियों में से 17 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से होंगी जबकि 13 झांकियां विभिन्न मंत्रालयों, विभागों की ओर से पेश की जाएंगी। कई राज्य अपनी अनूठी सांस्कृतिक पहचान और विकास की कहानियों को इन झांकियों के जरिये दर्शाएंगे। असम की झांकी में आशिरकंडी, कारीगरों का गांव दिखाया जाएगा जबकि गुजरात और छत्तीसगढ़ ''वंदे मातरम'' विषय का व्याख्यान करेंगे। महाराष्ट्र गणेशोत्सव को आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करेगा तो उधर, बंगाल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में बंगाल की भूमिका को दर्शाएगा। परंपरा और नवाचार का संगम कई झांकियों में देखने को मिलेगा। ओडिशा की ''सोइल टू सिलिकान'' झांकी परंपरा में निहित विकास को दर्शाएगी, तमिलनाडु ईवी निर्माण केंद्र के रूप में उभरने का प्रदर्शन करेगा और केरल अपने जल मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल शासन पहलों को सबके समझ रखेगा। नगालैंड की झांकी हंर्नबिल महोत्सव को संस्कृति, पर्यटन और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करेगी।

देशभर के 2,500 कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

झांकियों के अलावा देशभर के लगभग 2,500 कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। परेड में कुल 18 मार्चिंग टुकड़ियां और 13 बैंड शामिल होंगे। सेना की नई भैरव बटालियन भी परेड में शामिल होगी। कुल मिलाकर गणतंत्र दिवस परेड भारत की धरोहर, एकता और प्रगति का एक दृश्यात्मक समृद्ध उत्सव बनेगी। इस वर्ष, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि होंगे।

राज्य में 5 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी, व्यापमं के माध्यम से ली जाएगी परीक्षा : विष्णुदेव साय

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। राज्य में 5 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापमं के माध्यम से परीक्षा होगी। फरवरी में भर्ती के लिए विज्ञापन जारी होगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन में शिक्षा विभाग की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने राज्य में शिक्षकों की कमी को लेकर नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के आदेश दिए। अगले शिक्षा सत्र के पहले शिक्षकों की पोस्टिंग करने की तैयारी है। यह भी निर्णय लिया गया कि परीक्षा-2023 की प्रतीक्षा सूची की मान्यता नहीं बढ़ाई जाएगी। ताकि पिछले वर्षों में उत्तीर्ण युवाओं को शासकीय सेवा में आने का मौका मिल सके। राज्य में शिक्षकों के 56 हजार से ज्यादा पद खाली हैं। इससे निपटने के लिए पिछले साल अप्रैल-मई में युक्तियुक्तकरण किया गया। इसमें एक ही परिसर के स्कूलों को मर्ज किया गया।

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, बरपाली
भुवन लाल कँवर
प्राधिकृत अधिकारी
राजकुमार साहू
प्रबंधक
शैलेंद्र जायसवाल
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, करतला
विजेंद्र गोस्वामी
प्रबंधक
चंद्रभूषण वर्मा
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, बेहरचुआँ
धान उपार्जन केंद्र, बेहरचुआँ
मनोज कुमार गबेल
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, कनकी
श्रीमति सुस्मिता लकड़ा
प्राधिकृत अधिकारी
श्री वेदप्रकाश वैष्णव
प्रभारी प्रबंधक
श्री हरप्रसाद यादव
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, नवापारा
धान उपार्जन केंद्र, नवापारा
प्रबंधक एवं फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कुदुरमाल
धान उपार्जन केंद्र, कुदुरमाल
राधेलाल कुंभकार
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, चिकनीपाली
लक्ष्मीनारायण जायसवाल
प्राधिकृत अधिकारी
रंजीत सिंह कँवर
प्रभारी प्रबंधक
अजय कुमार कौशिक
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, करतला
धान उपार्जन केंद्र, केरवाद्वारी
विजेंद्र गोस्वामी
प्रबंधक
विजय कुमार राठिया
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, श्यांग
धान उपार्जन केंद्र, लेमरू
बृजभवन तँवर
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, भिलाईबाजार
धान उपार्जन केंद्र, भिलाईबाजार
सतीश कुमार मिरी
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, तुमान
धान उपार्जन केंद्र, तुमान
विकास कँवर
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

राज्य आपदा मोचन निधि की राज्य कार्यपालिक समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य आपदा मोचन तथा आपदा न्यूनीकरण निधि की बैठक सम्पन्न हुई। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत जिलों के प्रस्ताव एवं रायपुर शहर बाढ़ से मुक्त करने हेतु प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा की गई एवं प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के तहत सभी जिलों में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण तथा जिला स्तर पर बाढ़ से बचाव के प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य कार्यपालिक समिति की बैठक में ऐसे जिले जहां प्रतिवर्ष बाढ़ की संभावना रहती है, वहां बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पहले से ही व्यापक कार्ययोजना तैयार कर लेने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इससे बाढ़ आपदा के समय त्वरित सहायता प्रभावितों और पीड़ितों को दी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने कहा है कि राज्य आपदा एवं न्यूनीकरण निधि से निर्धारित मापदण्डों के अनुसार बाढ़ प्रभावित जिलों में सड़क, जल संग्रहण एवं वॉटर रिचार्जिंग सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों को तकनीकी परीक्षण कराकर ठोस कार्य मजबूती से करायें। उन्होंने पिछली वर्षांत में बाढ़ प्रभावित इलाकों में हुए प्रभावित संरचनाओं के स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा मोचन निधि की कार्ययोजना और प्रतिवेदन एवं समय पर राज्य कार्यपालिक समिति को उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गाईड लाईन का भलीभांति अध्ययन कर आपदा प्रभावित निर्माण कार्यों को गुणवत्ता एवं मजबूती से करायें। बैठक में राज्य के बस्तर संभाग में अगस्त 2025 में हुई भारी मूसलाधार बारिश के कारण दंतेवाड़ा, बस्तर, सुकमा एवं बीजापुर में बाढ़ से निर्मित स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से निर्माण कार्यों में विभिन्न जिलों में पुलिया, तटबंध, स्टापडेम, रिटर्निंगवाल, सड़क आदि के निर्माण कार्यों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जिस पर व्यापक चर्चा की गई एवं जरूरी कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसी तरह से बलरामपुर एवं जशपुर जिलों के अंतर्गत आपदा न्यूनीकरण निधि से निर्माण कार्यों के प्रस्ताव पर चर्चा कर प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में राजस्व पुस्तक परिपत्र के अंतर्गत विभिन्न जिलों से प्राप्त अनुदान सहायता उपलब्ध कराने के 36 करोड़ 72 लाख के प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार सभी जिलों में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण तथा जिला स्तर पर बाढ़ बचाव प्रशिक्षण के लिए पिछले वर्ष प्रत्येक जिले को एक लाख मान से 33 जिलों के लिए 33 लाख रूपए जारी किए गए थे। जिसकी कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। इसी तरह से आगामी 2026-27 के लिए भी सभी 33 जिलों में एक-एक लाख रूपए के मान से आबंटन जारी करने स्वीकृति दी गई।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, वित्त विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल एवं गृह विभाग के सचिव श्री रमेश कुमार शर्मा सहित लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, होमगार्ड, सेना, एनडीआरएफ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, जल संसाधन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबंधित जिलो के कलेक्टर एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए।

मुंगेली जिले में धान खरीदी में 8.14 करोड़ का फर्जीवाड़ा पकड़ में आया : राइस मिलर संचालक एवं समिति प्रबंधक सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। मुंगेली जिले में धान खरीदी एवं परिवहन के मामले में गड़बड़ी के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। आईसीसीसी मार्कफेड रायपुर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर की गई जांच में धान के अवैध ओवरलोडिंग, फर्जी वाहनों से परिवहन तथा रिसायक्लिंग के गंभीर मामले उजागर हुए हैं। जांच में यह सामने आया कि धान उठाव करने वाले वाहनों द्वारा वास्तविक क्षमता से 200 प्रतिशत से लेकर 1116 प्रतिशत तक अधिक ओवरलोडिंग कर अवैध परिवहन किया गया। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल के निर्देशानुसार खाद्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई विस्तृत जांच में राइस मिलरों, समिति प्रबंधकों एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों द्वारा संगठित रूप से फर्जीवाड़ा कर शासन को 8 करोड़ 14 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति पहुंचाने का खुलासा हुआ है। इस गंभीर प्रकरण में विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कुछ आरोपी फरार हैं।जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा जानबूझकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए, पीडीएस चावल का वितरण नहीं किया गया, फर्जी वाहन नंबरों के माध्यम से धान का परिवहन दर्शाया गया तथा वास्तविक मात्रा से अधिक धान उठाव दिखाकर शासन को नुकसान पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में लगभग 11 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी एवं परिवहन में अनियमितता के प्रमाण मिले हैं।नवागांव घुठेरा समिति द्वारा उपलेटा राइस मिल से मिलीभगत कर 74 जीपीएस युक्त एवं 40 से अधिक बिना जीपीएस वाहनों के माध्यम से धान का अवैध परिवहन किया गया। इसी प्रकार, सिंघनुपरी उपार्जन केन्द्र द्वारा एसएस फूड के साथ मिलकर 4,542 क्विंटल धान का बिना जीपीएस वाहन से परिवहन, छटन उपार्जन केन्द्र द्वारा दीपक राइस मिल एवं नवकार मिल के साथ मिलकर 3,589 क्विंटल धान का अवैध परिवहन तथा झगरहट्टा उपार्जन केन्द्र द्वारा वर्धमान राइस मिलर्स के साथ अनियमितता किए जाने पर कार्रवाई की गई है।इन मामलों में अब्दुल सत्तार पिता गुलाम कादर निवासी दाउपारा, विकास पाण्डेय पिता विनय पाण्डेय निवासी भटगांव-मुंगेली, महावीर जैन पिता ललित जैन, संतोष साहू पिता बलदाऊ, श्रीधर परिहार पिता हितकिशोर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अब्दुल समद, ललित जैन, नवेन्द मेनन एवं अनिल जांगड़े फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। अन्य थानों में भी दर्ज हुए प्रकरण

थाना फास्टरपुर में अपराध क्रमांक 12/2026 एवं थाना लालपुर में अपराध क्रमांक 09/2026 के तहत भी धान उपार्जन केन्द्रों में फर्जी परिवहन, धोखाधड़ी एवं अनियमितताओं के मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में भी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।जिला प्रशासन का कहना है कि धान खरीदी एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा फर्जीवाड़ा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में उत्पाद विक्रय केन्द्र के नये स्वरूप का उद्घाटन

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। 39वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में उत्पाद विक्रय केन्द्र के नये स्वरूप का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री ज्ञानेन्द्र मणि, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड एवं श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. एस.एस. टूटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं ने बताया कि इस केन्द्र के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों से तकनीकी सहायता प्राप्त एफपीओ और स्वः सहायता समूहों के उत्पादों को विक्रय के लिये एक स्थान प्रदाय किया जा रहा है। इस केन्द्र के माध्यम से विश्वविद्यालय के उत्पाद, भी विक्रय किये जायेंगे। श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद छत्तीसगढ़ शासन ने बताया ।

परीक्षा पे चर्चा 2026 : प्रथम चरण में महासमुंद की बेटी कु. सृष्टि साहू का हुआ चयन

स्वामी आत्मानंद विद्यालय, नयापारा की छात्रा को दिल्ली आमंत्रण

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। परीक्षा पे चर्चा के नवें संस्करण में इस वर्ष भी विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों में व्यापक उत्साह देखने को मिला। पंजीयन की अंतिम तिथि 11 जनवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ राज्य से कुल 29.29 लाख प्रतिभागियों ने पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया। यह आंकड़ा गत वर्ष की तुलना में 7.16 लाख अधिक है, जो कार्यक्रम के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है।गत वर्ष पंजीयन के मामले में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर रहा था, जबकि इस वर्ष अंडमान एवं निकोबार, चंडीगढ़ एवं लक्षद्वीप के बाद राज्य को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राज्य से 1.41 लाख पालकों द्वारा पंजीयन किया गया, जो पालकों की शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता का स्पष्ट संकेत है।प्रथम चरण की चयन प्रक्रिया प्रथम चरण में विद्यार्थियों के चयन हेतु जिलों से विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों से संबंधित वीडियो आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित तिथि तक कुल 171 विद्यार्थियों के वीडियो प्राप्त हुए। गठित समिति द्वारा इन वीडियो का गहन परीक्षण किया गया, जिसके उपरांत 18 विद्यार्थियों का चयन कर उनका विवरण केंद्र को भेजा गया। चयनित विद्यार्थियों में पीएमश्री विद्यालय से 04, सेजस से 06, निजी विद्यालयों से 04, शासकीय विद्यालयों से 03 तथा केजीबीव्ही से 01 विद्यार्थी शामिल हैं।कु. सृष्टि साहू का केंद्रीय स्तर पर चयनकेंद्र की समिति द्वारा महासमुंद जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालय, नयापारा की गणित संकाय की कक्षा 12वीं की छात्रा कु. सृष्टि साहू का चयन किया गया है। कु. सृष्टि साहू, पिता श्री नरेन्द्र कुमार साहू एवं माता श्रीमती दिनेश्वरी साहू को 21 जनवरी 2026 को दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया है।प्रशासन एवं शाला परिवार की प्रतिक्रियाकु. सृष्टि साहू के चयन पर जिला कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगहे ने उनसे भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शाला की प्राचार्या श्रीमती अमी रूफस ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि कु. सृष्टि एक अनुशासित, परिश्रमी एवं अध्ययनशील छात्रा है। उन्होंने यह भी बताया कि कु. सृष्टि बाल दिवस के अवसर पर शाला नायक की भूमिका में प्राचार्य की कुर्सी पर बैठकर नेतृत्व प्रदान कर चुकी है।परिवार का गर्व और सहयोग कु. सृष्टि साहू के पिता शासकीय विद्यालय में शिक्षक हैं तथा माता गृहणी हैं। दोनों ने अपनी पुत्री के चयन पर गर्व एवं प्रसन्नता व्यक्त की है और इसे परिवार के साथ-साथ जिले के लिए भी गौरव का विषय बताया है।शाला एवं विभागीय प्रयासों की सराहनाशाला प्राचार्य के अनुसार विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा परीक्षा पे चर्चा में विद्यार्थियों के पंजीयन हेतु विशेष प्रयास किए गए। विद्यालय में 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया गया तथा विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास भी कराया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया।कु. सृष्टि साहू के चयन पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार लहरे एवं शिक्षा विभाग द्वारा हार्दिक बधाई दी गई। छात्रा के दिल्ली प्रवास से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण कराने में जिला परियोजना समन्वयक श्री रेखराज शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा भी महासमुंद जिले को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।आगामी चरण की प्रतीक्षा परीक्षा पे चर्चा 2026 के आगामी चरणों में और विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया जारी है, जिसके परिणामों की प्रतीक्षा की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (दिलचस्पी न्यूज)। जिले की डोंगरगढ़ थाना पुलिस ने एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थी ने दिनांक 18/01/26 को डोंगरगगढ़ थाने में उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 12-01-2026 को सुबह 9 बजे से उसकी नाबालिक बेटी घर पर नहीं है आस पास रिश्तेदारों में पता किया नहीं पता चला कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर कहीं ले गया है रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा के दिशा निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में गुम नाबालिक के पता तलाश हेतु टीम रवाना किया गया पीड़िता को डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल में आर्यन डकहा से रात्रि में बरामद किया गया पीड़िता से पूछताछ करने पर बताई की दुर्ग के भूषण साहू से सोशल मीडिया के माध्यम से परिचय हुआ

जिले के किसान संतोष रात्रे ने सहजता से बेचा धान, बढ़ी आमदनी : सहज धान खरीदी व्यवस्था से किसान हुए निश्चिंत, समय पर मिल रहा पैसा

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। कबीरधाम जिले में इस वर्ष धान खरीदी का काम आसान और व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। इसका फायदा सीधे किसानों को मिल रहा है। जिले के ग्राम लिमो निवासी किसान श्री संतोष कुमार रात्रे ने कवर्धा स्थित धान खरीदी केंद्र में बिना किसी परेशानी के अपना धान बेचा। श्री संतोष रात्रे के पास लगभग 3.80 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें उन्होंने इस साल धान की खेती की थी। वे बताते हैं कि इस बार समय पर खाद और बीज मिलने से खेती अच्छी हुई और फसल भी बेहतर निकली। उनका कहना है कि अब धान की खेती पहले की तुलना में ज्यादा लाभकारी हो गई है, क्योंकि जरूरी सामग्री आसानी से मिल जाती है। इस वर्ष श्री संतोष रात्रे ने 78.20 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र में बेचा। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र में टोकन की व्यवस्था बहुत आसान है। उन्होंने ऑफलाइन यानी सीधे खरीदी केंद्र में जाकर टोकन लिया और तय समय पर अपना धान बेच दिया। खरीदी केंद्र में अब सभी सुविधाएं मिल रही हैं। बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बैठने की व्यवस्था, टोकन और माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं से धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं होती। धान बेचते ही समय पर भुगतान हो रहा है और पैसा सीधे बैंक खाते में पहुँच रहा है, जिससे काफी राहत मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। धान खरीदी सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है। वर्तमान में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। इससे किसानों की आमदनी में सीधा फायदा हुआ है।

अवैध शराब बेचते कोचिया गिरफ्तार

बलौदा बाजार (दिलचस्पी न्यूज)। समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 01 आरोपी शराब कोचिया को गिरफ्तार किया गया है।समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर की सहायता से अपराधिक कृत्यों में संलिप्त आरोपियों की घरपकड़ हो रही हैं,आरोपी को ग्राम रसेडी में घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब के सांथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।आरोपियों से ?3500 कीमत मूल्य का 35 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है। किसी भी प्रकार की शिकायत, सूचना अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में प्रदान कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 20.01.2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना सिटी कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा ग्राम रसेडी घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से ?3500 कीमत मूल्य का 35 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है।

कांग्रेस अपने अतीत के भ्रष्टाचार पर भी बोले - भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी का तीखा बयान

मनेन्द्रगढ़ (दिलचस्पी न्यूज)। कांग्रेस द्वारा हाल ही में कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर ईमानदार कलेक्टर पर आरोप लगाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा एमसीबी जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ईमानदार अधिकारियों पर उंगली उठाने से पहले कांग्रेस को अपने कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार पर भी जवाब देना चाहिए। रामचरित द्विवेदी ने कहा कि यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। शराब घोटाला, कोयला लेवी, डीएमएफ घोटाला, पीएससी भर्ती घोटाला जैसे गंभीर मामलों में कई अधिकारी और कांग्रेस से जुड़े नेता जेल जा चुके हैं, तो कई अभी भी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस इन मामलों पर भी बोलने का साहस करेगी, या केवल प्रशासन पर दबाव बनाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकती रहेगी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब पूरी तरह दोहरे मापदंडों पर आधारित हो गई है। जब सत्ता में थे, तब भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया गया और आज सत्ता से बाहर होने के बाद वही पार्टी खुद को ईमानदारी का प्रमाणपत्र बांटने का प्रयास कर रही है। यह जनता का अपमान है। रामचरित द्विवेदी ने आगे कहा कि वर्तमान में प्रशासन पारदर्शिता और नियमों के तहत कार्य कर रहा है, जिससे कांग्रेस नेताओं के निजी और राजनीतिक हित प्रभावित हो रहे हैं। इसी बौखलाहट में कांग्रेस सड़कों पर उतरकर ईमानदार अधिकारी को बदनाम करने की साजिश कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा ऐसे किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने यह भी कहा कि आज जनता जागरूक है और सब कुछ देख रही है। कांग्रेस का इतिहास भ्रष्टाचार, परिवारवाद और सत्ता के दुरुपयोग से भरा रहा है। जिनके अपने नेता और अधिकारी जेल और बेल के बीच झूल रहे हों, उन्हें दूसरों पर आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। अंत में रामचरित द्विवेदी ने कहा कि भाजपा हमेशा ईमानदार प्रशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। कांग्रेस को चाहिए कि घेराव और बयानबाजी छोड़कर पहले अपने गिरेबान में झांके और जनता को यह बताए कि उनके शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार का जिम्मेदार कौन था।

लंबे समय से अधूरे सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण करने को लेकर मुख्यमंत्री सख्त

किसानों की समृद्धि के लिए सिंचाई परियोजनाओं का सुदृढ़ होना आवश्यक : मुख्यमंत्री

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभागीय कार्यों, संचालित परियोजनाओं तथा प्रस्तावित सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार बड़े निर्णय ले रही है और किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि लंबे समय से लंबित परियोजनाओं को अटल सिंचाई योजना में शामिल किया गया है, इन्हें समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी तीन वर्षों में पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में किसानों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। खेती के बढ़ते रकबे और किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिंचाई परियोजनाओं का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट की कोई कमी नहीं है और इसके लिए पृथक बजटीय प्रावधान किया गया है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से प्रदेश में सिंचित रकबा बढ़ेगा और किसानों की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले के किसानों के मध्यप्रदेश अध्ययन भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से सिंचाई को प्रभावी ढंग से संचालित होते देखकर किसान काफी उत्साहित हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों में सिंचाई क्षेत्र में बेहतर नवाचार किए जा रहे हैं, वहां छत्तीसगढ़ के किसानों का भी अध्ययन भ्रमण कराया जाए, ताकि वे नई तकनीकों और कार्यप्रणालियों से अवगत हो सकें।बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी तीन वर्षों में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से 14 सिंचाई परियोजनाओं को चरणबद्ध रूप से पूर्ण करने की योजना है, जिससे लगभग 70 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इनमें 4,800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली चार प्रमुख परियोजनाओं का मार्च और मई माह में भूमिपूजन प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं में बस्तर जिले की देउरगांव बैराज सह उद्वहन सिंचाई परियोजना, मटनार बैराज सह उद्वहन सिंचाई परियोजना, रायपुर जिले के आरंग विकासखंड में महानदी पर मोहमेला-सिरपुर बैराज योजना तथा गरियाबंद जिले की सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय लिंक परियोजना शामिल हैं।इसी प्रकार अटल सिंचाई योजना के अंतर्गत 115 लंबित परियोजनाओं के लिए 346 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया गया है, जिनके माध्यम से लगभग 11 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास किया जाएगा।

बैठक में अंतराज्यीय जल विवादों के समाधान पर भी चर्चा की गई। आगामी तीन वर्षों में महानदी जल विवाद, पोलावरम बांध के डुबान क्षेत्र तथा समक्का बैराज से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए ठोस प्रयास किए जाने पर सहमति बनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मुकेश बंसल, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी तीन वर्षों में पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में किसानों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। खेती के बढ़ते रकबे और किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिंचाई परियोजनाओं का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट की कोई कमी नहीं है और इसके लिए पृथक बजटीय प्रावधान किया गया है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से प्रदेश में सिंचित रकबा बढ़ेगा और किसानों की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले के किसानों के मध्यप्रदेश अध्ययन भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से सिंचाई को प्रभावी ढंग से संचालित होते देखकर किसान काफी उत्साहित हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों में सिंचाई क्षेत्र में बेहतर नवाचार किए जा रहे हैं, वहां छत्तीसगढ़ के किसानों का भी अध्ययन भ्रमण कराया जाए, ताकि वे नई तकनीकों और कार्यप्रणालियों से अवगत हो सकें।बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी तीन वर्षों में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से 14 सिंचाई परियोजनाओं को चरणबद्ध रूप से पूर्ण करने की योजना है,

मुख्यमंत्री साय से उनके नवनियुक्त सलाहकार आर. कृष्णा दास ने की मुलाकात

रायपुर(दिलचस्पी न्यूज)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में उनके नवनियुक्त सलाहकार श्री आर. कृष्णा दास ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री दास को नवीन नियुक्ति पर बधाई देते हुए उन्हें पदेन दायित्वों के कुशलतापूर्वक निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार श्री आर. कृष्णा दास को मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया है। वे अपने दायित्वों के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी को मीडिया से संबंधित विषयों सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर परामर्श प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बड़ी राहत

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के छोटे से ग्राम पारागांव खुर्द निवासी श्री नेमीचंद वर्मा के लिए यह योजना आर्थिक राहत और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनी है। योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया, जिससे अब उनके परिवार को बिजली बिल की चिंता से मुक्ति मिल गई है।

श्री नेमीचंद वर्मा ने बताया कि वे संयुक्त परिवार में रहते हैं, जिसके कारण पहले बिजली की खपत अधिक थी। सामान्य दिनों में प्रतिमाह 1200 से 1800 रुपये तक तथा ग्रीष्म ऋतु में 2000 से 2200 रुपये तक का बिजली बिल आता था। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का निर्णय लिया। सोलर पैनल स्थापना पर कुल 1 लाख 85 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा 1 लाख 8 हजार रुपये की अनुदान राशि मात्र 20 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित कर दी गई।सोलर प्लांट स्थापित होने के बाद परिवार का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। इससे होने वाली मासिक बचत का उपयोग वे बच्चों की शिक्षा, कृषि कार्य एवं अन्य घरेलू आवश्यकताओं में कर रहे हैं। योजना अंतर्गत स्थापित सोलर प्लांट नेट मीटरिंग के माध्यम से विद्युत ग्रिड से जुड़ा है, जिससे अतिरिक्त उत्पादित बिजली ग्रिड में आपूर्ति होने पर उपभोक्ता को अतिरिक्त आय का लाभ भी मिलता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सफलतापूर्वक क्रियान्वित हो रही है।

कांग्रेस ने किसानों की समस्या को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, चूहे का पिंजरा लेकर किया प्रदर्शन

धमतरी (दिलचस्पी न्यूज)। किसानों के मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से मिलकर ज्ञापन सौपा जहां कांग्रेसियों ने कहा कि किसान चोर उचक्के नहीं हैं. कांग्रेस का आरोप था कि प्रशासन के लोग मनमाने ढंग से किसानों के घर जा रहे हैं, जबरदस्ती रकबा समर्पण कराया जा रहा है। कांग्रेस ने प्रशासन को आगामी दिनों मे व्यवस्था सुधारने की चेतावनी दी है. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अगर व्यवस्था नहीं सुधरती है तो वो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. साथ ही महासमुंद, कोरबा जैसे जिलों में चूहों के नाम पर हुई करोड़ो की धान घोटाला धमतरी मे न हो इसके लिए चूहा पकड़ने का पिंजरा लेकर कांग्रेसियों ने कलेक्टर परिसर मे प्रदर्शन कर पिंजरा सौपा जिला अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि धान खरीदी सत्र की शुरूआत से ही भारी अव्यवस्था बनी हुई है। किसानों को कभी टोकन जारी नही होने, कभी खरीदी सीमा की लिमिट घटाने और खरीदी केन्द्रों पर अव्यवस्था जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस कारणों से किसान महिनों से अपनी उपज बेचने के लिए भटकने मजबूर है। खरीदी प्रक्रिया को सुगम बनाने के बजाय भौतिक सत्यापन के नाम पर किसानों के ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लगाया जा रहा है। प्रशासन के द्वारा छोटे किसानों पर रकबा समर्पण हेतु चोरी जैसे गंभीर आरोप लगाकर प्रताड़ित किया जा रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आगे कहा की खरीदी सत्र समाप्त होने में मात्र कुछ दिन शेष है जबकि अब तक लगभग 85-87 प्रतिशत धान की खरीदी हो पाई है, खाद बिजली और पानी कि समस्या के लिए पहले से संघर्ष कर रहे किसानों को अब उपज बेचने के समय भी प्रताडित किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर किसानों के साथ अन्याय है। चंद्राकर ने आगे कहा की आज जिलाधीश से कांग्रेसजनो एवं किसानो के साथ किसानों पर रकबा समर्पण हेतु प्रशासनिक दबाव पर रोक लगाने, खरीदी केन्द्रों में लिमिट बढ़ाने, छोटे किसानों की टोकन विसंगतियों को दूर करने एवं धान खरीदी कि तिथी 15 फरवरी तक बढ़ानें को लेकर ज्ञापन सौपा गया इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन लालवानी, पूर्व पीसीसी सचिव शर्मा, प्रणय बच्चन सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने की नारायणपुर में नियद नेल्लानार क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा

रायपुर(दिलचस्पी न्यूज)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा गुरुवार को नारायणपुर जिला पंचायत के सभा कक्ष में जनप्रतिनिधियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित नियद नेल्लनार योजनांतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नियद नेल्लनार योजना क्षेत्र के सरपंचों से सीधा संवाद कर गांव के विकास संबंधित जानकारी ली और इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास, जॉब कार्ड, पेंशन योजना आदि की उपलब्धता के संबंध में पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरपंचों से जानकारी ली और सरकार की योजनाओं को गांव के हर व्यक्ति तक पहुंचाये जाने हेतु अपील की। उन्होंने जिले में नियद नेल्लानार योजनांतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा करते हुए श्री शर्मा ने प्रगतिरत आवासों को भी शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जनप्रतिनिधियों से आव्हान करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास एवं शांति के लिए आगे आकर कार्य करें। किसी भी प्रकार की कोई समस्या होने पर उसके निराकरण के लिए प्रशासन को अवगत कराएं ताकि समय पर निराकरण किया जा सके। उन्होंने जिस भी गांव के व्यक्ति नक्सल संगठनों से जुड़े थे उन्हें पुनर्वास कर शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को जंगलों के संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए समूह बनाकर इसकी सुरक्षा करने को कहा। उन्होंने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि नियद नेल्लानार क्षेत्र के सभी गांवों में बिजली उपलब्ध कराने निर्देशित किया। उन्होंने अबुझमाड़ क्षेत्र के पहुंचविहीन गांवों में राशन पहुंचाकर समय पर सभी ग्रामीणों को वितरण कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने स्कूल, आंगनबाड़ी, आश्रम छात्रावास, पेयजल, मोबाईल टावर, कृषि आदि विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं का समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री एवं वन मंत्री के द्वारा नारायणपुर के नक्सल पीड़ित परिवारों के पांच सदस्यों को शासकीय सेवा के चतुर्थ श्रेणी पदों पर भर्ती हेतु नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने पुनर्वास किये 19 माओवादियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 9.50 लाख रुपए के चेक भी वितरित किये। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी समिति के अध्यक्ष श्री रूप साय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, नगरपालिका के अध्यक्ष श्री इंद्रप्रसाद बघेल, छोटेडोंगर सरपंच श्री संध्या पवार, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य और ग्राम पंचायतों के सरपंच, आईजी बस्तर श्री सुन्दरराज पी., पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संचालक श्री अश्विनी देवांगन, कलेक्टर नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक श्री रॉबिन्सन गुड़िया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर श्री बिरेन्द्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

लाखों का गांजा परिवहन करते पांच आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (दिलचस्पी न्यूज)। जिले की चौकी बेलगहना थाना कोटा पुलिस ने गांजा तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साढ़े 6 लाख रूपये कीमत का 13 किलोग्राम गांजा जब्त किया है तथा आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रहार अभियान के तहत अवैध नशे पर अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह(आईपीएस)के द्वारा नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु दिशानिर्देश दिये गये थे, मादक पदार्थ की तस्करी रोकने के साथ साथ अवैध रूप से खरीदी बिक्री करने वाले लोगो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे। नशे के विरूद्ध अभियान को प्रभावी बनाने हेतु मुखबिर तैनात किये गये है इसी तारतम्य में दिनांक 22.01.2026 बेलगहना चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कोटा की ओर से कुछ लोग मोटरसायकल में मादक पदार्थ गांजा का परिवहन कर रहे है । सूचना पर बेलगहना पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने उपरान्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मधुलिका सिंह, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कोटा नुपुर उपाध्याय से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर बेलगहना पुलिस के द्वारा टीम गठित किया गया और बेलगहना कोटा मार्ग के ग्राम पंडरापथरा में टीम के द्वारा घेराबंदी की गई और संदिग्धों की पहचान कर कोटा की ओर से दो मोटरसायकल में सवार तीन पुरुष एवं एक महिला को घेराबंदी कर लोरमी क्षेत्र के रहने वाले गजेन्द्र कुमार खत्री पिता तेजमल खत्री उम्र 38 वर्ष निवासी 82 गर्जरो का मोहल्ला झुलेलाल मंदिर के पास सांगानेर थाना सांगानेर जिला जयपुर (राजस्थान) हालमुकाम श्रीधर टेन्ट हाउस के पास नहर रोड लोरमी थाना लोरमी जिला मुंगेली छ.ग, नीरज उर्फ मोन्टू पिता मानिकदास मानिकपुरी उम्र 24 वर्ष निवासी गुरुद्वारा चौक बस स्टेण्ड राम्हेपुर लोरमी थाना लोरमी जिला मुंगेली छ.ग, मंगलू राम साहू पिता छोटेलाल साहू उम्र 32 वर्ष साकिन डिण्डौल थाना लोरमी जिला मुंगेली छ.ग तथा सरस्वती पति मंगलुराम साहू उम्र 30 वर्ष साकिन डिण्डौल थाना लोरमी जिला मुंगेली छ.ग. को मादक पदार्थ गांजा सहित पकड़ा गया, और नारकोटिक्स एक्ट के प्रावधानों के अन्तर्गत विधिवत कार्यवाही करते हुये आरोपियों के संयुक्त कब्जे से मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 13 किलोग्राम कीमती 6 लाख 50 हजार रूपये मादक पदार्थ गांजा परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसायकल 1 होन्डा गिरसार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

कबीरधाम पुलिस ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

कबीरधाम (दिलचस्पी न्यूज)। सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के उद्देश्य से कबीरधाम पुलिस द्वारा निरंतर विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में आज वीर सावरकर भवन, कवर्धा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों सहित आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रक्तदान शिविर में कुल 15 रक्तदाताओं द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को हेलमेट और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, यातायात पुलिस का स्टाफ, स्वास्थ्य विभाग का अमला एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य केवल यातायात नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज के प्रति सकारात्मक सोच, संवेदनशीलता एवं सामाजिक सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्यक्रम मानव जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और पुलिस बल सदैव समाज सेवा के लिए तत्पर है।एसडीओपी यातायात कृष्णा चंद्राकर ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिलेभर में यातायात जागरूकता रैली, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रति जागरूकता अभियान, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए विशेष चेकिंग अभियान, विद्यालय एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।यातायात प्रभारी अजयकांत तिवारी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आम नागरिकों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। यातायात नियमों का पालन, संयमित गति, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग कर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने युवाओं से सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन चलाने की अपील की।

रायपुर में टी-20 क्रिकेट का रोमांच: भारत-न्यूजीलैंड टीमें पहुंचीं, 23 को होगा होगा महामुकाबला

रायपुर (दिलचस्पी न्यूज)। रायपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बन गया है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें दोपहर रायपुर पहुंचीं। दोनों टीमें 23 जनवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम के रायपुर पहुंचते ही एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रशंसक जुट गए। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए फैंस उत्साहित नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए एयरपोर्ट और शहर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

संपादकीय

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है।

विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है- भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधी' बढ़ा जोखिम। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा और ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है।

पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई-वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैँ। मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है?

विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसे किन शर्तों पर आने देगा, यह तय करना उसका अधिकार है। भारतीयों अगर वहां जाना है, तो उन्हें उनकी कसौटियों पर खरा उतरना होगा।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

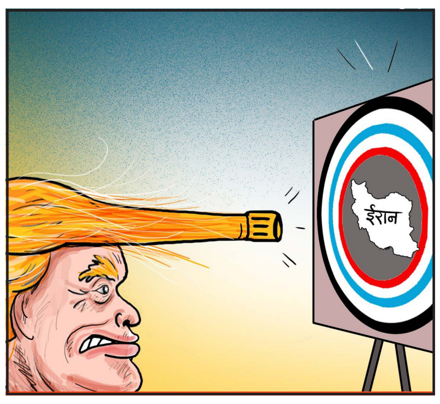

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा ढकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय 'मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

बड़े पैमाने पर निर्माण, निश्चितता के साथ कार्य पूर्णता

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है। आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है। इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति — गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है - समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक है: विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं—जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं—अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन। उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं। राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण—जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है— ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एक: उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है। नीति निर्माताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता है: अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है।

स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है।

ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है। भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए।

प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं: जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करना। निर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरण तकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण। गति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम-साझाकरण व्यवस्था। सभी जीवनचक्रों में कौशल विकास। भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है।

आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

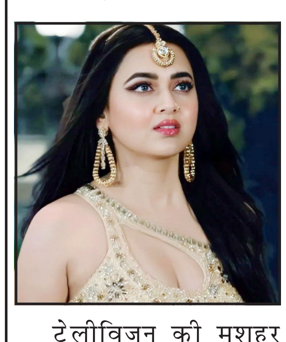

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री ने टेलीविजन में 2612 से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने रश्मि भार्गव का किरदार निभाया था, लेकिन उन्हें असली पहचान कलर्स टीवी के शो स्वरागिनी में रागिनी के किरदार से मिली थी। इसके बाद 2018 में वे कर्ण संगिनी और सिलसिला बदलते रिश्तों का में भी नजर आईं।

तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था। दरअसल, इस सीरियल में दिया सिंह की शादी एक छोटे बच्चे से होती दिखाई जाती है और वे उसकी रक्षा का जिम्मा उठाती हैं।

ग्रीनलैंड में बर्फ के नीचे ऐसा क्या है, जिसके लिए ट्रंप पागल हो रहे हैं?

17 जनवरी 2026 जब यूरोप में लोग सो रहे थे तब डोनाल्ड ट्रंप ने अपनों को भी झटका दे दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने एक फरमान जारी किया जिससे वाशिंगटन से लेकर ब्रूसेल्स तक हड़कंप मच गया। डॉनल्ड ट्रंप लिखते हैं कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड और फिनलैंड। ये सभी देश जो ग्रीनलैंड पहुंचे हैं। पता नहीं किस इरादे से। यह खतरनाक स्थिति है। इसलिए जब तक ग्रीनलैंड की पूर्ण और कुल खरीद के लिए डील नहीं हो जाती तब तक 1 फरवरी से इन पर 10% टेरिफ और 1 जून से 25% टेरिफ लगाता। डोनाल्ड ट्रंप नाटो के देशों पर टेरिफ लगा रहे थे। वैसे ही जैसे भारत पर लगाया था जब भारत ने उनकी बात नहीं मानी थी। ट्रंप का यह जो ऐलान था यह अचानक नहीं था। इसके पीछे ईगो फैक्टर था क्योंकि इन आठ देशों ने डॉनल्ड ट्रंप के ईगो को डेंट कर दिया था। वो ठोकर मारी थी जो अंदर चुभ रही थी। असल में अमेरिका ने जब ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जाने की शुरुआती धमकियां दी तो यही वो आठ यूरोपीय देश थे जिन्होंने डेनमार्क के साथ कहा कि हम खड़े रहेंगे। मजबूती से रहेंगे।

ग्रीनलैंड का महत्व उसकी लोकेशन में निहित है। ग्रीनलैंड जो है वो आर्कटिक रीजन के आठ देशों में से एक है। ऐसे तो यह डेनमार्क का हिस्सा है लेकिन ऑटोनॉमस टेरिटरी है यानी स्वायत्त क्षेत्र। इसका 80% हिस्सा बर्फ से ढका है और बर्फ की भी 4 किमी मोटी परत है। लेकिन अब यह पिघल रही है। आर्कटिक रीजन बाकी दुनिया के मुकाबले चार गुना रफ्तार से तप रहा है।

करीब 26 लाख स्क्वायर किमी बर्फ गायब हो चुकी है। डाटा के मुताबिक इसी बर्फ के नीचे दुनिया की 30% अनएक्सप्लोर्ड गैस और 13% अनएक्स्लोर्ड ऑयल यह छुपे हुए हैं। इसके अलावा यहां कीमती धातुएं सोना, प्लैटिनम, जस्ता और लौ, अयस्क, तांबा, सीसा, मोलिब्डेनम और टाइटेनियम यह सब भी मौजूद बताए जाते हैं। इन सब वजहों से इस आइलैंड पर ट्रंप ही नहीं रूस और चीन की भी नजर बनी रहती है। शीत युद्ध के दौरान, ग्रीनलैंड-आइसलैंड-यूके गैप नाटो की समुद्री रणनीति का केंद्रीय तत्व था, जो अटलांटिक में प्रवेश करने वाली सोवियत पनडुब्बियों की निगरानी को संभव बनाता था। दशकों तक आर्कटिक एक जमे हुए बफर की तरह रहा- दूरस्थ, दुर्गम और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिस्पर्धा से लगभग अप्रभावित। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को एक सक्रिय क्षेत्र में बदल रहा है। पिघलती बर्फ नए समुद्री मार्ग खोल रही है। साथ ही, हाइपरसोनिक हथियारों, लंबी दूरी के सटीक प्रहार, अंतरिक्ष-आधारित सेंसर, मिसाइल रक्षा और समुद्रगत प्रणालियों में प्रगति दूरी को लगातार समेट रही है। ऐसे में ग्रीनलैंड हाशिये से खिसककर अग्रिम रणनीतिक क्षेत्र में बदल जाता है। जो दूरी कभी सुरक्षा देती थी, वह सिमट रही है; प्रतिक्रिया का समय घट रहा है; और अमेरिकी मुख्यभूमि के लिए चेतावनी का अंतराल सिकुड़ता जा रहा है।

आज की दुनिया तेल पर नहीं चिप्स और बैट्रियों पर चलती है। आपका iPhone हो, टेस्ला कार हो या फिर F35 फाइटर जेट सबको चलने के लिए यह मिनरल्स चाहिए। फिलहाल इन पर चीन का राज है। अमेरिका जानता है कि भविष्य का तेल यही मिनरल है और यह खेल सिर्फ सरकार का नहीं बड़े-बड़े अरबपति जैसे बिल गेट्स, पीटर थील भी ग्रीनलैंड के खनिजों में पानी की तरह ऐसा बहा रहे हैं। कोबोल्ड मेटल्स जैसी कंपनियां वहां खुदाई की तैयारियां कर रही हैं। उन्हें पता है कि भविष्य का सोना यहीं छिपा है। बर्फ पिघलने से नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। जिसे पोलर सिल्क रोड कहा जा रहा है। जो जहाज एशिया से यूरोप जाने के लिए स्विज़ नहर का लंबा रास्ता लेते थे। वो भविष्य में ग्रीनलैंड के ऊपर से गुजरेंगे। यह रास्ता दूरी को 40% तक कम कर देगा। ग्रीनलैंड वो चेक पोस्ट है जो आने वाले 100 सालों तक वैश्विक व्यापार को नियंत्रित करेगा। भारत के उदाहरण से समझें। सियाचिन ग्लेशियर का कोई विशेष आर्थिक मूल्य नहीं है, उस पर भारी लॉजिस्टिक लागत भी आती है और वह अनुभवी सैनिकों के लिए भी अत्यंत दुर्गम है। इसके बावजूद भारत दशकों से सियाचिन पर कायम है। क्योंकि उसे खाली करने का अर्थ होगा पाकिस्तान को ऐसे भू-भाग पर कब्जा करने देना, जो भले ही आज सीमांत लगे, लेकिन भविष्य में उपयोग में लाया जा सकता है।

भारत को जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेता या पदाधिकारी मुख्य अतिथि है। यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन मुख्य अतिथि हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को बताया जा रहा है कि दोनों के बीच व्यापार संधि हो सकती है। यह भारत की स्वतंत्र व व्यापार नीति के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। ध्यान रहे भारत पहले ही ब्रिटेन के साथ व्यापार संधि कर चुका है और ब्रिटेन व यूरोपीय संघ से इतर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ भी व्यापार संधि की है। लेकिन सवाल है कि इससे भारत को क्या बड़ा बाजार मिल रहा है और भारत किन उत्पादों का निर्यात करके इन संधियों का अधिकतम लाभ उठा सकता है?

ध्यान रहे इससे पहले जब भी किसी व्यापार संधि की खबर आती है तो बाहर से आने वाली चीजों के भारत में सस्ता होने की खबर उसमें होती है। जैसे न्यूजीलैंड के साथ व्यापार संधि होने की खबर आई तो बताया गया कि वहां के सेब, कीवी आदि फल, कुछ खास शराब और कुछ डेयरी उत्पाद भारत में सस्ते हो सकते हैं। भारत की ओर से न्यूजीलैंड को क्या बेचा जाएगा और उससे भारत को कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी, यह बड़ा सवाल है। यह सब जानते हैं कि भारत के लोग उपभोक्ता हैं। भारत 140 करोड़ लोगों का बाजार है। उस बाजार में दुनिया भर के देश अपना माल खपाना चाहते हैं। लेकिन भारत के पास क्या माल है, जिसे वह विश्व बाजार में खपा सकता है? क्या भारत इन संधियों का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार भी है या फिर ये संधियां सिर्फ दिखावा है? यह सवाल इसलिए भी है क्योंकि ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक भारत व्यापार संधि तो कर रहा है लेकिन इन देशों में भारतीयों के प्रति नफरत बढ़ती दिख रही है। भारतीयों के खिलाफ घृणा अपराधों में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मूल के लोगों के साथ साथ छात्र भी निशाने पर हैं। एक तरफ जर्मनी या दूसरे देशों के साथ भारतीयों के लिए वीजा के नियम आसान करने की बात हो रही है तो दूसरी ओर उन देशों में भारतीयों पर हमले तेज हो रहे हैं। व्यापार संधि करते हुए हमेशा इस पहलू का ध्यान रखना चाहिए।

बहरहाल, अगर भारत तैयारी करे तो यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि का बड़ा लाभ उसे मिल सकता है। लेकिन अभी तक मेक इन इंडिया अभियान कुल मिला कर असेंबल इन इंडिया बन कर रह गया है। भारत में स्टार्ट अप योजना के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है और मेक इन इंडिया के भी लगभग एक दशक हो गए हैं लेकिन इनसे ऐसा कुछ नहीं बना है कि भारत दुनिया के बाजार में अपना परचम लहरा सके। चीन अब भी दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है।

दुनिया के देशों के साथ उसका ट्रेड सरप्लस 1.2 ट्रिलियन डॉलर है यानी भारत की जीडीपी के लगभग एक तिहाई के बराबर इसका विदेशी व्यापार का सरप्लस है। सो, इस बात का ध्यान रखना होगा कि हर देश के साथ मुक्त व्यापार की संधि भारत के लिए व्यापार घाटा बढ़ाने वाली नहीं हो। कहीं ऐसा न हो कि देश के 140 करोड़ लोगों को सस्ती चीजें तो मिलें लेकिन भारत पूरी तरह से उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था बन जाए।

बढ़ते वैश्विक तनावों के बीच सोने-चांदी की कीमतों में तेज उछाल, बनाया एक और नया रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। बढ़ते वैश्विक तनावों के बीच सोने और चांदी ने कारोबारी सत्र में एक और नया रिकॉर्ड बना लिया है। एमसीएक्स पर कीमती धातुओं की कीमतें पिछले दिन के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। गोल्ड फरवरी वायदा 1,47,996 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं सिल्वर मार्च वायदा 3,19,949 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

सोमवार के ट्रेडिंग सेशन में एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना जहां रिकॉर्ड 1,45,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था, तो वहीं मार्च डिलीवरी वाली चांदी 3,01,315 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सिल्वर की कीमत 94.320 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तो वहीं गोल्ड 4,708.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। इससे पहले के सत्र में सोने ने 4,689.39 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड स्तर छुआ था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड से जुड़े बयानों और टैरिफ की धमकियों से वैश्विक तनाव बढ़ गया है, जिससे निवेशकों ने सुरक्षित निवेश यानी सेफ-हेवन विकल्पों की ओर रुख किया। खबर लिखे जाने तक एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 1.55 प्रतिशत यानी 2,255 रुपए की तेजी के साथ 1,47,894 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जबकि मार्च डिलीवरी वाली चांदी 7,279 रुपए यानी 2.35 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,17,554 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

यह तेजी उस समय आई थी जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड मुद्दे का विरोध करने वाले आठ यूरोपीय देशों पर नया टैरिफ लगाने का ऐलान किया।

कीमती धातुओं में यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड मुद्दे का विरोध करने वाले आठ यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ लगाने की धमकी के बाद आई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी दोहराया कि यूरोपीय देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने की धमकी पर वे अमल करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वे यूरोपीय संघ के 'एंटी-कोएरशन' तंत्र को लागू करने की मांग करेंगे। वहीं, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने संयम बरतने की अपील की। इसके अलावा, डेनमार्क द्वारा ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने के फैसले से भू-राजनीतिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

बाजार इस बात पर भी नजर रखे हुए हैं कि कहीं ट्रंप प्रशासन अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के खिलाफ कोई कदम तो नहीं उठाएगा। इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता को लेकर चिंता बढ़ी है, जिसका फायदा भी कीमती धातुओं को मिल रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में आगे और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें भी सोने और चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। साल 2025 में भी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से इन धातुओं को काफी सपोर्ट मिला था।

विशेषज्ञों के अनुसार, कीमती धातुओं में आई यह तेजी सुरक्षित निवेश के साथ-साथ चांदी की औद्योगिक मांग को भी दिखाती है। चांदी का उपयोग सोलर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में बढ़ रहा है। विश्लेषकों ने कहा कि तकनीकी रूप से कॉमेक्स पर चांदी का रुख अभी मजबूत बना हुआ है। 85 से 88 डॉलर प्रति औंस का स्तर आने वाले समय में कीमतों को सहारा दे सकता है। ऑगमोंट की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मुनाफावसूली के कारण कीमतों में थोड़ी गिरावट आ सकती है और चांदी 84 डॉलर प्रति औंस या 2,60,000 रुपए प्रति किलो तक आ सकती है, इसके बाद फिर से तेजी देखने को मिल सकती है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि बहुत तेज बढ़त के बाद निवेशक मुनाफावसूली कर सकते हैं, लेकिन उनका मानना है कि आपूर्ति की चिंताओं और औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण लंबे समय में सोने और चांदी का रुझान मजबूत बना रहेगा।

रणजी ट्रॉफी

शुभमन गिल का खराब फॉर्म जारी, दूसरी गेंद पर शून्य पर लुढ़के

राजकोट (एजेंसी)। पंजाब की ओर से खेल रहे भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ खराब प्रदर्शन करते हुए दूसरी ही गेंद पर पगबाधा होकर पवेलियन लौट गए। जय गोहिल (82) की जुझारू पारी और अजय भट्ट (पांच विकेट) की अगुवाई में सौराष्ट्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 172 रन बनाने के बाद पंजाब को 139 समेटते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दूसरी पारी में तीन विकेट पर 24 रन बना लिए है और उसकी कुल बढ़त 57 रनों की हो गई है।

यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवरों में 172 का स्कोर बनाया। सौराष्ट्र के लिए जय गोहिल ने 117 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 82 रनों की पारी खेली। उनके अलावा प्रेरक मांकड़ (32), हार्विक देसाई (13) और हेत्विक कोटक (12) रन बनाकर आउट हुए। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। पंजाब के लिए हरप्रीत बराड़ ने 38 रन देकर छह विकेट लिये। जसिंदर सिंह को दो विकेट मिले। प्रेरित दत्ता और सनवीर सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब को पार्थ भट की अगुवाई में सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना पड़ा।

पंजाब की पूरी टीम 40.1 ओवर में 139 के स्कोर पर सिमट गई। प्रभसिमरन सिंह ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। अनमोलप्रीत सिंह (35), उदय सहारन (23), हरप्रीत बराड़ (12) और प्रेरित दत्ता 11 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल सहित छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। इसी के साथ सौराष्ट्र को पहली पारी के आधार पर 33 रनों की बढ़त हासिल हुई। सौराष्ट्र के लिए पार्थ भट ने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। धर्मेंद्रसिंह जडेजा और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। जयदेव उनादकट ने एक बल्लेबाज को आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में 24 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। हार्विक देसाई (6) और चिराग जानी (5) को हरप्रीत बराड़ ने आउट किया। वहीं पहली पारी में सौराष्ट्र के 82 रन बनाने वाले जय गोहिल को जसिंदर सिंह ने 8 रन पर बोल्ड आउट कर पवेलियन भेज दिया। स्टंप्स के धर्मेंद्रसिंह जडेजा नाबाद पांच क्रीज पर मौजूद थे। सौराष्ट्र की कुल बढ़त 57 रन की हो गई।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चक्रवर्ती गेंदबाजी का जादूगर है, दिग्गज बल्लेबाज ने की तारीफ

नागपुर (एजेंसी)। बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर ने वरुण चक्रवर्ती को गेंदबाजी का जादूगर करार दिया क्योंकि यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी चालाकी और अनोखी विविधताओं से बल्लेबाजों को लगातार चकमा दे रहा है। बुधवार को यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड पर भारत की जीत में चक्रवर्ती ने महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लिए।

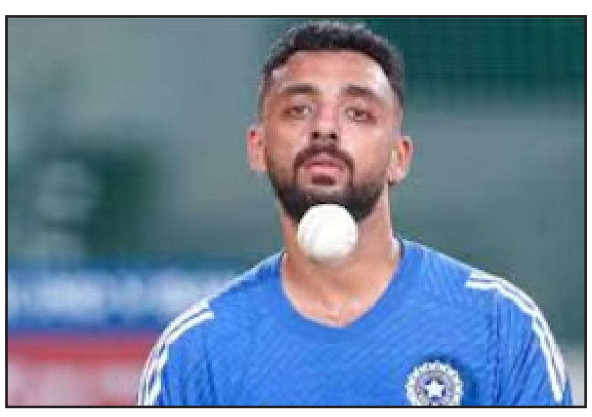

गावस्कर ने जिओहॉटस्टार से कहा, 'वरुण थोड़ा लय से बाहर लग रहा था, लेकिन यह समझ में आता है। उसने दो विकेट लिए और जब बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी उसकी इकॉनमी रेट काफी अच्छी थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि उसकी बॉडी लैंग्वेज अच्छी थी।' उन्होंने कहा, 'जब भी वह थोड़ा रन लुटा लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज थोड़ी बदल जाती है लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। उसकी गेंदों पर दो छक्के लगने के बावजूद उस पर किसी तरह का असर नहीं दिख रहा था जो अच्छा संकेत है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह गेंदबाजी का जादूगर है। वह शानदार गेंदबाजी करता है।'

अभिषेक शर्मा ने महज 35 गेंदों में 84 रन बनाए और रिंकू सिंह (20 गेंदों में 44 रन नाबाद) ने उनका बखूबी साथ दिया, जिससे भारत ने सात विकेट पर 238 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड सात विकेट पर 190 रन ही बना पाया। गावस्कर ने कहा, 'पहला मैच जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। आप जानते हैं कि विश्व कप से पहले नए साल और नए अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना हमेशा अच्छा होता है। भारत ने कुछ कैच छोड़े लेकिन कुल मिलाकर उसका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा।'

बाबर आजम ने बीबीएल बीच में छोड़ा, खराब आंकड़ों के साथ लौटे पाकिस्तान

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी सिक्सर्स ने गुरुवार को कहा कि बाबर आजम बिग बैश लीग फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि वह आने वाले इंटरनेशनल मैचों की तैयारी शुरू करने के लिए अपनी नेशनल टीम में शामिल होने के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं। सिक्सर्स ने पुष्टि की है कि डेनियल ह्यूजेस टीम में बाबर की जगह लेंगे और सीधे ओपनर के तौर पर खेलेंगे।

सिक्सर्स ने एक बयान में कहा, 'आने वाले इंटरनेशनल मैचों से पहले बाबर आज़म को पाकिस्तान के नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया गया है। वह BBL 15 फाइनल सीरीज़ के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।' बाबर ने BBL क्लब में रहने के दौरान अपने सपोर्ट के लिए सभी फैंस को धन्यवाद भी दिया। सिक्सर्स द्वारा X पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मुझे मौका देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया। दुर्भाग्य से अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं। बहुत सी पॉजिटिव चीजें, इसलिए मैंने इसका बहुत आनंद लिया। खासकर, सिडनी सिक्सर्स के फैंस को धन्यवाद; हमेशा सपोर्ट रहता है, बहुत मजा आता है, मैंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' बाबर मौजूदा सीजन में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 202 रन बनाए। उनका कम स्ट्राइक रेट 103.06 टीम के लिए चिंता का विषय था। पाकिस्तान 7 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करेगा। वे इस बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए 29 जनवरी से घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की T20I सीरीज खेलेंगे।

टी20 विश्व कप से बॉयकॉट के बाद बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल का बयान आया सामने

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने टी20 विश्व कप 2026 का बॉयकॉट करते हुए साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच नहीं खेलेंगे। बंगलादेश ने यह भी कहा है कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहता है और उसके मैच श्रीलंका में कराए हैं। इसी बीच बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया।

आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं। आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।'

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को शूटआउट में हराकर हासिल किया बोनस अंक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स और रांची रॉयल्स के बीच पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग में एक रोमांचक मुकाबले के निर्धारित में 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रैगन्स ने नाटकीय शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। ड्रैगन्स ने शूटआउट में जीत से बोनस अंक हासिल मिला। जबकि रॉयल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे कलिंगा लांसर्स के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर क्वालीफायर 1 मुकाबला तय हो गया।

हैदराबाद तूफान ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को एचआईएल जीसी से आगे चौथे प्लेऑफ स्थान को पक्का करने के लिए एसजी पाइपर्स के खिलाफ मुकाबले में सात गोल के अंतर से जीतना होगा। टॉम बून ने रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया (9', 35'), पहले मिनट में मनदीप सिंह (1') के शुरुआती गोल का साथ दिया। ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स (24', 53') के दो गोल और कार्थी सेल्वम (32') के एक गोल से वापसी की। शूटआउट के दौरान, नाथन एफ्राम्स, ब्लेक गोवर्स, उत्तम सिंह और टॉम क्रेग ने ड्रैगन्स के लिए अपने मौके भुनाए।

अभिषेक शर्मा ने पहला टी-ट्वेंटी जीतने के बाद किया रणनीति का खुलासा

नागपुर (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में 35 गेंदों में 84 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें अपने कुछ चुनिंदा शॉट्स पर ही पूरा भरोसा हैं। मैच के बाद अपनी रणनीति को लेकर अभिषेक ने कहा, 'जब आप विपक्षी गेंदबाजो के वीडियो खंगालते हैं या अपनी बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हैं, तो आपको अंदाजा हो जाता है कि सामने वाली टीम क्या रणनीति बनाए और मुझे अपने रन कहां बनाने हैं। सच कहूं तो मैं अपने गिने-चुने शॉट्स पर ही यकीन करता हूं क्योंकि मेरे पास वैरायटी बहुत अधिक नहीं है। बस कुछ खास स्ट्रोक्स हैं जिनकी मैं जी-तोड़ अभ्यास करता हूं और मैदान पर उन्हें ही आजमाता हूं।'

उन्होंने अपनी तकनीक को लेकर कहा, 'मैं अधिकतर पावर हिटिंग का प्रयास नहीं करता क्योंकि मुझमें वैसी शारीरिक ताकत नहीं है। मेरी बल्लेबाजी मुख्य रूप से टाइमिंग के भरोसे चलती है। मेरे लिए सबसे अहम यह है कि मैं गेंद की लाइन पर नजर रखूं और माहौल को समझूं। चूंकि हम फिलहाल पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर खेल रहे हैं, तो परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना बेहद आवश्यक हो जाता है। इसके लिए मैं मैच से पूर्व या नेट अभ्यास के दौरान ही अपनी रणनीति तैयार कर लेता हूं। विपक्षी गेंदबाजी की अपनी योजना होती है, इसलिए मेरे जेहन में हमेशा यह रहता है कि मैं अपने खेल और अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा रखूं।'

सलामी बल्लेबाज ने अपनी शैली पर कहा, 'मैं इसे जोखिम भरा खेल नहीं मानता। हालांकि इसे 'कम्फर्ट जोन' कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना होता है। शुरुआती 6 ओवरों का लाभ उठाना बेहद अहम है और मैं नेट्स पर भी इसी की तैयारी करता हूं। मेरे जेहन में यह बात स्पष्ट रहती है कि विपक्षी टीम के मुख्य गेंदबाज ही पारी के शुरुआती ओवर फेंकते हैं। अगर मैं पहले तीन-चार ओवरों में उन पर हावी हो जाऊं, तो मैच पर हमारी पकड़ मजबूत हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने एक चीज सीखी है कि यदि आप हर गेंद पर प्रहार करना चाहते हैं या 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं, तो वैसी ही मानसिकता और कड़ा अभ्यास जरूरी है। हर टीम मेरे लिए अलग रणनीति तैयार है। अब मुझे समझ आता है कि यह केवल क्षेत्ररक्षण सेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पिच और गेंदबाजी के तरीके पर भी निर्भर करता है। इसलिए मैच से पहले की गई मेरी तैयारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले मेरे पास एक सप्ताह का समय था। मैं जानता था कि न्यूजीलैंड के गेंदबाज मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे अपनी नैचुरल गेम और अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है।'

रेलवे में बड़ा घूसकांड

सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी में 4 लोग गिरफ्तार, 45 लाख रुपये जब्त

पटना (एजेंसी)। पटना की सीबीआई टीम ने एक दर्जन ठिकानों पर छापेमारी कर रेलवे परियोजना में घूसखोरी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में निजी कंपनी एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप सिंह, सहायक महाप्रबंधक गौरव कुशवाहा, अकाउंटेंट आकाश पात्रा और धीरज विरमानी को गिरफ्तार किया है। वहीं, पूर्व मध्य रेलवे निर्माण विभाग से जुड़े मुख्य अभियंता अनिल कुमार सहित 11 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। छापेमारी के दौरान 45 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

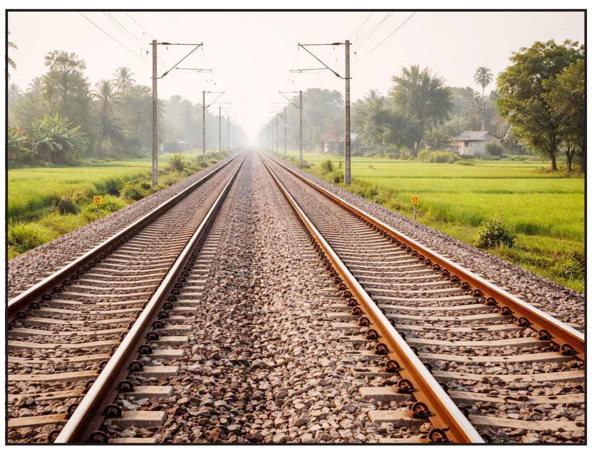

गिरफ्तार चारों अभियुक्तों को देर शाम पटना की सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से विशेष न्यायाधीश ने 7 दिनों की रिमांड दे दी। रिमांड के दौरान सीबीआई आरोपियों से पूछताछ करेगी। केस के जांच की जिम्मेदारी सीबीआई पटना की डीएसपी रूबी चौधरी को मिली है।

सीबीआई ने रिश्वत कांड में पटना के महेंद्रूघाट स्थित पूर्व मध्य रेलवे निर्माण कार्यालय और डेहरी ऑन सोन सहित एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की।

बिल भुगतान के लिए रिश्वत दी: आरोप है कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने निर्माण कार्यों का बिल भुगतान स्वीकृत करने की एवज में रेलवे अधिकारियों को लाखों रुपये की रिश्वत दी। सीबीआई रेल परियोजना में गड़बड़ी और रिश्वत की जांच लंबे समय से कर रही है। जांच एजेंसी को जानकारी मिली थी कि रेलवे निर्माण भवन में अधिकारियों और निर्माण कंपनियों के बीच लेन-देन का खेल चल रहा है। इस पर सक्रिय हुई सीबीआई की एक टीम महेंद्रूघाट स्थित रेलवे कार्यालय में बुधवार से ही डट गई। टीम ने एचजी इंफ्रा के एमडी अनूप सिंह को उनके सहयोगियों समेत घूस की राशि के साथ दबोच लिया।

रडार पर कई अफसर: छापेमारी के बाद मुख्य अभियंता सहित विभाग के कई पदाधिकारी-कर्मियों से पूछताछ की गई। मामले में निर्माण विभाग से जुड़े कई और पदाधिकारी-कर्मी भी सीबीआई के निशाने पर हैं।

एचजी इंफ्रा कंपनी को गयाजी से डेहरी तक ट्रैक का ठेका

एचजी इंफ्रा को गया जी से डेहरी ऑन सोन तक पटरी के नीचे गिट्टी आदि बिछाने का काम मिला हुआ है। कंपनी के अधिकारियों ने काम से जुड़ा बिल पास कराने के लिए घूसखोरी का बड़ा नेटवर्क बना रखा था। इसके लिए मुख्य अभियंता से लेकर नीचे तक कमीशन की राशि तय कर रखी गई थी। कमीशन के इस खेल की जानकारी सीबीआई को मिली। इसके बाद सीबीआई की टीम ने पहले मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान मामला सत्य पाये जाने पर अलग-अलग टीम बना कर डेहरी ऑन सोन से लेकर राजधानी पटना तक छापेमारी की गई। महेंद्रूघाट रेलवे परिसर में छापेमारी के दौरान परियोजना से जुड़े पुराने कागजात एवं बिलों की भी जांच की गई। इस दौरान काफी अनियमितता पाई गई।

सुपर फूड का तमगा, दुनिया भर में मशहूर; तो मखाना की खेती से क्यों दूरी बना रही नई पीढ़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार के मखाना की पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में 'सुपर फूड' के रूप में पहचान बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई सार्वजनिक समारोहों मे कह चुके हैं कि वह सुबह के नाश्ते में मखाना खाते हैं। इसकी खेती और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना को मंजूरी दी जा चुकी है। लेकिन बिहार की नई पीढ़ी मखाने का खेती से दूर हो रही है।

सरकार के स्तर पर मखाना की वैश्विक ब्रांडिग से भी इसकी पहुंच 55 से अधिक देशों तक हो चुकी है। पिछले साल केंद्र ने मखाना बोर्ड की मंजूरी दी। मांग बढ़ने से खेती का रकबा भी बढ़ा है। पर, इसकी खेती- उत्पादन के प्रति नई पीढ़ी का आकर्षण न केवल कम हो रहा है, बल्कि वह खुद को इससे अलग भी कर रही है। कुशल मजदूरों की कमी भी बड़ी समस्या है। यह मखाना उत्पादन के भविष्य की सबसे चिंता का विषय है।

मखाना उत्पादक जिलों की जमीनी पड़ताल में यह तथ्य उभरा कि पानी-कीचड़ भरे तालाब में घंटों खड़े रहना, गुड़ी को आग में भूनने और पीटकर मखाना बनाने की जटिल प्रक्रिया उत्पादकों की नई पीढ़ी को इससे दूर कर रही है। बिहार में मुख्य रूप से दस जिलों- मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया में करीब 40 हजार हेक्टेयर में खेती होती है।

बिहार में देश का 85% और दुनिया का 80% मखाना होता है। 12 वर्षों में रकबा तीन गुना और उत्पादन चार बढ़ा है। यहां से 20-22 हजार टन मखाना का सालाना निर्यात भी है।

मधुबनी के किसान जामुन सहनी कहते हैं कि दूर से आकर्षक दिखने वाली इसकी खेती हकीकत में जोखिम भरी है। गुड़ी को भूनने, उसे पीटकर मखाना बनाने की प्रक्रिया में मजदूर झुलस जाते हैं। ठंड में घंटों तालाब में खड़ा रहने से चर्मरोग और संक्रमण होता है। ऐसे में नई पीढ़ी दूसरा काम करना ज्यादा मुनासिब समझती है। पूर्णिया के विक्रम यादव कहते हैं कि पुराने कुशल मजदूरों की संख्या घट रही है। मजदूर पलायन कर रहे हैं। गुड़ी (बीज) को फोड़ लावा बनाने के लिए आई मशीनें कारगर नहीं हैं। पारंपरिक तरीका भी बेहद जोखिम भरा है।

सावधान!

साल में 5 बार तोड़ा ट्रैफिक नियम तो छिन जाएगा ड्राइविंग लाइसेंस, केंद्र ने बनाए नए नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क पर बार-बार लापरवाही करने वाले चालकों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन नियमों में संशोधन करते हुए एक नया प्रावधान जोड़ा है। इसके तहत यदि कोई चालक एक वर्ष के भीतर पांच या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित या रद्द किया जा सकता है।

मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह नया नियम 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना जाएगा। लाइसेंस निलंबित करने या रद्द करने का अधिकार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) या जिला परिवहन अधिकारी के पास होगा। हालांकि, लाइसेंस रद्द करने से पहले संबंधित अधिकारी के लिए लाइसेंस धारक का पक्ष सुनना अनिवार्य होगा। साथ ही, पिछले वर्ष के उल्लंघनों को नए वर्ष की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा, यानी हर वर्ष उल्लंघनों की गिनती नए सिरे से की जाएगी।

अब तक केवल 24 गंभीर मामलों, जैसे वाहन चोरी, अपहरण, तेज रफ्तार या ओवरलोडिंग जैसी परिस्थितियों में ही लाइसेंस रद्द करने का प्रावधान था। लेकिन नए नियम के तहत अब हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना और रेड लाइट जंप करना जैसे उल्लंघन भी यदि एक साल में पांच बार किए गए, तो लाइसेंस निलंबन या रद्दीकरण का कारण बन सकते हैं। अधिसूचना में चालान की प्रक्रिया को भी स्पष्ट किया गया है।

बिहार में हलचल, दिल्ली में मंथन; कांग्रेस विधायकों की नाराजगी दूर कर पाएंगे राहुल गांधी?

पटना (एजेंसी)।

बिहार कांग्रेस में टूट की खबरें आम हो गई हैं। छह में तीन विधायकों के नीतीश कुमार के संपर्क में होने का दावा किया जा रहा है। दही चूड़ा भोज में एक भी विधायक पार्टी कार्यालय सदाकत आश्रम नहीं पहुंचे। पटना में सियासी हलचल के बीच दिल्ली में आज मंथन होने वाला है। राहुल गांधी ने सभी विधायक समेत बिहार कांग्रेस के बड़े नेताओं को दिल्ली तलब किया है जहां मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक होगी। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी बिहार के सभी विधायकों के साथ एक-एक कर बात करेंगे। चुनावी नतीजों के बाद बिहार नेतृत्व से एमएलए नाराज बताए जा रहे हैं। इधर बिहार कांग्रेस प्रवक्ता असीतनाथ तिवारी ने दावा किया

है कि विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए बैठक पर एनडीए राजनीति कर रहा है।

दिल्ली में खरगे के आवास पर बिहार कांग्रेस के नेताओं की शाम साढ़े चार बजे से बैठक होने वाली है। राहुल गांधी इस मीटिंग को लीड करेंगे। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी सभी विधायकों से वन-टू-वन मुलाकात करेंगे। उनकी नाराजगी की वजह जानकर उसे दूर करने की कोशिश करेंगे। विधायकों के साथ सभी एमएलसी, सांसद और प्रदेश के नेताओं को भी तलब किया गया है। उनसे भी बात होगी। खासकर बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और अध्यक्ष राजेश राम के प्रति विद्रोह की वजह और निदान पर राहुल गांधी की खास तवज्जो है क्योंकि जदयू का दावा सच साबित हुआ तो 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में कांग्रेस की उपस्थिति शून्य हो जाएगी।

दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायक जीत कर आए हैं। अररिया से अबिदुर्रहमान, मनिहारी से मनोहर प्रसाद सिंह, किशनगंज से कमरुल होदा, वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, चनपटिया से अभिषेक रंजन और फारबिसगंज से मनोज कुमार विश्वास कांग्रेस के छह विधायक हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों से पार्टी में अस्थिरता का माहौल है। चर्चा यह है कि कांग्रेस के विधायक जदयू के साथ जा सकते हैं। पार्टी विधायक दल के नेता का चुनाव भी अभी तक नहीं हो पाया है। अब राहुल गांधी संभावित डैमेज को कंट्रोल करने की कमान थाम ली है। बिहार की सभी पार्टियों की इस बैठक पर नजर बनी हुई है।

अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराई प्राइवेट बस, तीन लोग जिंदा जले

नंद्याल (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार यात्री घायल हुए। चार यात्रियों को मामूली फ्रैक्चर की चोटें आई हैं, जिनको नंद्याल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, नंद्याल के एसपी सुनील श्योरान ने जानकारी दी कि रात लगभग एक से दो बजे के बीच नेल्लोर से हैदराबाद जा रही एक प्राइवेट बस हादसे का शिकार हुई। प्राइवेट बस का आगे का दाहिना टायर फट गया था, जिससे ड्राइवर ने संतुलन खो दिया। अनियंत्रित होकर बस रोड डिवाइडर पार करके सड़क के दूसरी तरफ चली गई, जहां वह सामने से आ रही एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस और लॉरी दोनों में आग लग गई। इसके कारण बस और लॉरी दोनों पूरी तरह जलकर खाक हो गए। इसी बीच, सड़क पर जाम की स्थिति बन गई।

हालांकि, सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस सवार लोगों का रेस्क्यू करने के साथ-साथ यातायात बहाल कराया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने बस के दरवाजे व खिड़कियां तोड़ीं और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, बस में 36 यात्री थे और वे सभी सुरक्षित हैं। चार यात्रियों को मामूली फ्रैक्चर होने पर नंद्याल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालांकि, इस दुर्घटना में बस चालक और लॉरी ड्राइवर व क्लीनर की मौत हुई है। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। कुरनूल से आरएफसीएल और एफसीएल की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं।

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का हंटर, केंद्र और दिल्ली सरकार से 4 हफ्ते में मांगा एक्शन प्लान; इन गाड़ियों पर भी बढ़ेगी सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर में लगातार बिगड़ते प्रदूषण के स्तर पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। सर्वोच्च अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए अगले 4 हफ्तों के भीतर अपना 'एक्शन प्लान' पेश करें। कोर्ट ने दो टूक कहा है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा सुझाए गए 15 लॉन्ग टर्म (दीर्घकालिक) उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना चाहिए। इन उपायों में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने से लेकर मेट्रो विस्तार और नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति जैसे अहम कदम शामिल हैं।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की तीन सदस्यीय बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। बेंच ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और अन्य सभी संबंधित पक्षकारों को निर्देश दिया कि दिल्ली-एनसीआर में गिरते एयर क्वालिटी इंडेक्स को सुधारने के लिए CAQM के उपायों पर आधारित कार्ययोजना चार सप्ताह के अंदर कोर्ट के समक्ष रखी जाए। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब इन सिफारिशों पर किसी भी तरह की आपत्ति या बहानेबाजी पर विचार नहीं किया जाएगा।

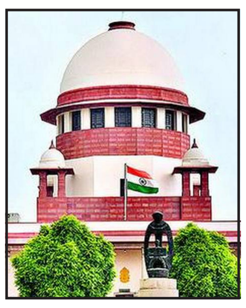

सुनवाई की शुरुआत में CAQM की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने आयोग की स्टेटस रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण पर काबू पाने के लिए आयोग ने विस्तृत दीर्घकालिक उपाय तैयार किए हैं। इन उपायों में सबसे प्रमुख दिल्ली-एनसीआर से उत्सर्जन के आधार पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाना है। इसके अलावा, 'पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल' व्यवस्था को और सख्त बनाने, रेल और मेट्रो नेटवर्क का विस्तार करने और संशोधित इलेक्ट्रिक वाहन नीति को लागू करने पर जोर दिया गया है। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने तर्क दिया कि इसी तरह के कदम पिछली योजनाओं में भी सुझाए गए थे, लेकिन वे पूरी तरह लागू नहीं हो पाए। इसलिए माननीय अदालत को इन सिफारिशों के लिए एक सख्त 'डेडलाइन' तय करनी चाहिए। इस पर एएसजी भाटी ने कोर्ट को बताया कि उन एजेंसियों की पहचान कर ली गई है जो इन उपायों को लागू करने के लिए पर्यावरण मुआवजा शुल्क फंड मुहैया कराएंगी।

इस सुनवाई का सबसे बड़ा असर दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाली पुरानी गाड़ियों पर पड़ने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 12 अगस्त के अंतरिम आदेश में बदलाव करते हुए अधिकारियों को बड़ा अधिकार दे दिया है। अब अधिकारी उन पुरानी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकेंगे जो भारत स्टेज-IV (BS-4) मानकों को पूरा नहीं करती हैं। कोर्ट के इस आदेश से साफ संकेत मिल रहा है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्ती और ज्यादा बढ़ने वाली है।

मालिक ने कर ली खुदकुशी तो रातभर शव के पास बैठा रहा कुत्ता, अंतिम संस्कार तक नहीं खाया खाना

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से इंसान और जानवर के बीच के निस्वार्थ प्रेम और अटूट वफादारी की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। यहां एक पालतू कुत्ते ने अपने मालिक की मौत के बाद जिस तरह मातम मनाया, वह बेजुबान की संवेदनाओं को बयां करने के लिए काफी है। मालिक की मौत के बाद कुत्ते ने न केवल पूरी रात शव की रखवाली की, बल्कि अंतिम संस्कार तक उसने अन्न-जल का त्याग कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और पूरे इलाके में यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

घटना जिले के ग्राम बडोरा की है। जानकारी के अनुसार, यहां रहने वाले 40 वर्षीय जगदीश प्रजापति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जब परिजनों को इस दुखद घटना का पता चला, तो वहां का मंजर देखकर वे हैरान रह गए। जगदीश का पालतू कुत्ता मृतक के शव के पास ही बैठा हुआ था। वह पूरी रात शव के पास इस तरह बैठा रहा मानो अपने मालिक की रखवाली कर रहा हो और उसे उम्मीद हो कि उसका मालिक अभी उठ जाएगा। मालिक के प्रति कुत्ते का प्रेम यहीं खत्म नहीं हुआ। जब अगले दिन पुलिस कार्रवाई के बाद परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर करैरा ले जाने लगे, तो कुत्ता भी उनके पीछे चल पड़ा। वह तपती धूप और सड़क की परवाह किए बिना ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे करीब चार किलोमीटर तक लगातार दौड़ता रहा। उसकी हालत और वफादारी देख परिजनों का दिल पसीज गया और उन्होंने गाड़ी रोककर उसे भी ट्रॉली में शव के पास बैठा लिया।

शमशान घाट तक निभाया साथ, भूखा-प्यासा रहा : पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने पर भी कुत्ता बाहर बैठकर अपने मालिक का इंतजार करता रहा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह शव के साथ ही वापस गांव लौटा। अंतिम संस्कार के समय भी वह शमशान घाट पर मौजूद रहा और चिता जलने तक वहीं बैठा रहा। परिजनों ने बताया कि मालिक की मौत के बाद से लेकर अंतिम संस्कार होने तक, इस बेजुबान ने कुछ भी खाया-पिया नहीं। उसकी उदास आंखें और वफादारी देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया।

नेशनल हाईवे-30 पर दर्दनाक हादसा, आमने-सामने टकराए दो ट्रक, तीन की मौत

कांकेर (एजेंसी)। जिले में नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम रतेसरा के पास करीब सुबह 3 बजे तेज रफ्तार में आ रहे दो ट्रक आमने-सामने भिड़ गए। इस भयावह टक्कर में ट्रक में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा इतना गंभीर था कि दोनों ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर के बाद हाईवे पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और चारामा पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि यातायात को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके। गौर करने वाली बात यह है कि इसी स्थान पर दो दिन पहले भी एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने इस इलाके में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अफसरों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत से बर्बाद हो गई सुखना झील', सुप्रीमकोर्ट की हरियाणा सरकार को चेतावनी- पुरानी गलतियां न दोहराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरावली पहाड़ियों के संरक्षण से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की पहचान मानी जाने वाली ऐतिहासिक सुखना झील की दयनीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सर्वोच्च अदालत ने झील के सूखने और उसके अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे के लिए सीधे तौर पर अवैध निर्माण को जिम्मेदार ठहराया है। अदालत का रुख इतना सख्त था कि उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों और बिल्डर माफिया के गठजोड़ ने इस प्राकृतिक धरोहर को बर्बाद कर दिया है।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने हरियाणा सरकार को आड़े हाथों लिया। सीजेआई ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए सवाल पूछा कि राज्य के अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत के कारण आप सुखना झील को और कितना सुखा देंगे? कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप लोगों ने अपने निहित स्वार्थों और मिलीभगत के चलते इस झील को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। कोर्ट की यह टिप्पणी अवैध निर्माण और अनियंत्रित शहरीकरण के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान की गंभीरता को दर्शाती है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वह पिछली गलतियों को न दोहराए। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुखना झील के जलग्रहण क्षेत्रों में हुए अवैध निर्माण ने झील के प्राकृतिक स्वरूप को भारी नुकसान पहुंचाया है। सीजेआई ने जोर देकर कहा कि अब वक्त आ गया है कि इस दिशा में ठोस और कड़े कदम उठाए जाएं। अदालत ने माना कि यदि अधिकारियों और बिल्डरों के बीच यह 'नेक्सस' (गठजोड़) ऐसे ही चलता रहा, तो बचा-खुचा पर्यावरण भी नष्ट हो जाएगा।

पहले पत्नी को मारकर खुद बुलाई एंबुलेंसजफिर कांग्रेस नेता के भतीजे ने कर लिया सुसाइड; 2 महीने पहले शादी हुई थी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी 2 महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। इसके बाद यशराज ने पहले पत्नी राजेश्वरी की हत्या की। फिर 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया। जब डॉक्टर्स ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया तो बाद यशराज ने भी आत्महत्या कर ली।

पुलिस और क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बाद एनआरआई टावर के गेट बंद कर दिए गए हैं और कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात कर दी गई है। फ्लैट में रहने वालों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की परमिशन नहीं है। बता दें यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। पुलिस के मुताबिक यशराज और राजेश्वरी बुधवार को एक रिश्तेदार के घर डिनर पर गए थे। वहां से लौटने के बाद दोनों के बीच किसी बात पर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ी कि यशराज ने पत्नी से मारपीट की, फिर लाइसेंसी बंदूक से उसके सिर में गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि यशराज ने 108 पर कॉल करके एंबुलेंस भी बुलाई।

कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

जिले में शैक्षणिक सुधार, बेहतर परिणाम की दिशा में गंभीरता से कार्य करने के दिए निर्देश

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाना, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की सुनियोजित एवं प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करना रहा।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विकासखंडवार शैक्षणिक स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन को विषयवार आंकने, कमजोर विषयों की पहचान करने तथा पिछले वर्ष के परीक्षा परिणामों की तुलना के आधार पर सुधारात्मक रणनीति अपनाने के निर्देश दिए व स्पष्ट किया कि केवल परिणाम नहीं, बल्कि सीखने की गुणवत्ता और अवधारणाओं की स्पष्टता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर श्री दुदावत ने निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यालय स्तर पर विषयवार विश्लेषण कर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके अंतर्गत अतिरिक्त कक्षाएं, पुनरावृत्ति अभ्यास, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास एवं नियमित मूल्यांकन जैसी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़े और परीक्षा परिणामों में सकारात्मक सुधार सुनिश्चित हो सके। शैक्षणिक अनुशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति पर विशेष जोर दिया, सभी शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुंचकर प्रतिदिन ऑनलाइन माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने तथा शत-प्रतिशत उपस्थिति लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में विद्यालयों के भौतिक संसाधनों एवं अधोसंरचना से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में भवन, कक्षाओं, फर्नीचर, अथवा अन्य आवश्यक सुविधाओं की आवश्यकता है, उनके प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले उल्लास मेले की तैयारियों को लेकर भी कलेक्टर ने विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आयोजन किया जाएगा, जिससे साक्षरता अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नवभारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत पिछले वर्ष जिन नव साक्षरजनों ने परीक्षा दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी, उन्हें स्टाल संचालन का दायित्व सौंपा जाएगा। एक स्टाल पर अधिकतम दो नव साक्षर एवं एक स्वयंसेवी शिक्षक (9 वी एवं 11वी के विद्यार्थी) कार्य करेंगे तथा संपूर्ण व्यवस्था का मार्गदर्शन संबंधित प्रधानाध्यापक द्वारा किया जाएगा। उल्लास मेले के सफल संचालन हेतु नोडल प्राचार्य एवं सहायक नोडल संकुल शैक्षिक समन्वयकों की जिम्मेदारी तय की गई है। यह मेला जिले की कुल 412 ग्राम पंचायतों में प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन की गुणवत्ता, सहभागिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए विकासखंड एवं जिला स्तर पर मॉनिटरिंग समितियों का गठन किया जाएगा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग, जिला शिक्षा अधिकारी श्री तामेश्वर उपाध्याय, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता विभाग श्रीमती ज्योति शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 150 शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन. केशरी के नेतृत्व में 19 एवं 20 जनवरी 2026 को जिले में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शिक्षकों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के 150 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला में तम्बाकू से होने वाली हानिकारक बिमारियों, कैंसर, हृदय रोग, सांस लेने की समस्या और अन्य तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुस्प्रभावों के बारे में जानकारी दिया गया। कोटपा अधिनियम 2003 की धाराओं को विस्तार से बताया गया साथ ही तम्बाकू सेवन से छुटकारा पाने तथा स्कूलों को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने निर्धारित मापदंडों को बताया गया। कार्यशाला में जिला चिकित्सालय कोरबा में स्थित तम्बाकू नशामुक्ति केन्द्र में दी जा रही नि:शुल्क परामर्श एवं नि:शुल्क दवाइयों के बारे में जानकारी दिया गया। इसके साथ ही स्कूलों के लिए आईसी सामग्री तथा पाम्पलेट वितरित किया गया। इस कार्यशाला को संपन्न कराने में डॉ.कुमार पुष्पेश, नोडल अधिकारी (तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम), पद्माकर शिंदे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एनएचएम, डॉ.मानसी जायसवाल, सलाहकार (एनटीसीपी), श्री दुश्यंत कोटांगले (एफएलओ) तथा संतोष केवट सोसल वर्कर (एनटीसीपी) का सहयोग रहा।

कोरबा की हरित क्रांति : इलेक्ट्रिक वाहनों से स्वच्छ भविष्य की ओर सशक्त कदम

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य इलेक्ट्रिक वाहन योजना ने कोरबा जिले में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की है। जिले में लगभग 4 लाख पेट्रोल और डीजल वाहनों के पंजीकृत होने के कारण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रण में लाने की चुनौती को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह योजना अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर वाहन मूल्य का 10 प्रतिशत या अधिकतम एक लाख रुपये तक की सब्सिडी सीधे वाहन स्वामी के खाते में हस्तांतरित की जा रही है। जिला परिवहन कार्यालय कोरबा द्वारा डीलर पॉइंट रजिस्ट्रेशन के दौरान संबंधित वाहन स्वामी के बैंक खाते का विवरण लेकर ई-व्ही पोर्टल में प्रविष्टि एवं दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत सब्सिडी राशि का पारदर्शी तरीके से अंतरण किया जाता है। 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक जिले के 1774 वाहन स्वामियों को कुल 03 करोड़ 27 लाख 3 हजार 865 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। बढ़ती मांग और नागरिकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 2.50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी स्वीकृत किया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता का प्रमाण उनके पंजीकरण आंकड़े हैं। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में कुल 1244 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 1488 हो गई। वाहन श्रेणीवार पंजीकरण इस प्रकार बढ़ा-मोटर साइकिल 825 से बढ़कर 938 हुईं, मोपेड 44 से बढ़कर 0, मोटरकारें 49 से बढ़कर 74, ई-रिक्शा (गुड्स) 9 से 12, ई-रिक्शा (पैसेंजर) 23 से 14, तीन पहिया (गुड्स) 51 से 40 और तीन पहिया (पैसेंजर) 206 से बढ़कर 392 हो गईं। मालवाहक श्रेणी में 2 से बढ़कर 17 का पंजीयन हुआ, जबकि वर्ष 2025 में मोटर कैब का पंजीयन नहीं हुआ। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर लोगों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है और पर्यावरण के प्रति जागरूकता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। योजना को और प्रभावी तथा व्यापक बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना से जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग और सुविधाजनक होगा, पेट्रोल व डीजल पर निर्भरता कम होगी और वायु प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण कमी आएगी। इलेक्ट्रिक वाहन योजना ने कोरबा जिले में स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन को नई दिशा दी है। यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम है, बल्कि कोरबा को एक स्वच्छ, हरित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभा रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत् नुक्कड़ नाटक का मंचन कर लोगों को मताधिकार का बताया गया महत्व

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ0ग0 रायपुर के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती माधुरी सोम ठाकुर के दिशा-निर्देश में जिले में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष गहन पुनरीक्षण एस.आई.आर. के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कड़ी में 20 जनवरी 2026 को शा.ई.व्ही.पी.जी. कॉलेज कोरबा के स्वीप टीम के द्वारा कोरबा नगरीय क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर लोगों को मताधिकार का महत्व बताया गया। स्वीप टीम के युवा छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कोसाबाड़ी, निहारिका क्षेत्र में मताधिकार का मजबूत संदेश दिया। इस अवसर पर सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी कोरबा सतीश प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर युवाओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने जिले में संचालित किये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एस.आई.आर. के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम से जुड़े स्वीप टीम के युवा छात्र-छात्राओं के योगदान की सराहना करते हुए उपस्थित नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण एस.आई.आर. में निर्धारित 22 जनवरी तक अनिवार्य रूप से अपने मतदान केन्द्र के बी.एल.ओ. से संपर्क कर अपने नाम का परीक्षण करने एवं किसी प्रकार की त्रुटि सुधार करने के लिए दावा-आपत्ति करने के लिए प्रेरित किये। इस अवसर पर सतीश प्रकाश सिंह सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी कोरबा ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में 25 जनवरी 2026 को आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन की जानकारी देते हुए मतदाताओं को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का महत्व बताया तथा 16वां एनव्हीडी का थीम ''माई इंडिया माई वोट'' (''मेरा भारत मेरा वोट) तथा टैगलाईन इंडियन सिटिजन एट दी हीट आफ इंडियन डेमोक्रेसी के संबंध में अवगत कराया। कार्यक्रम में शा.ई.व्ही.पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रेनुबाला शर्मा, स्वीप नोडल प्रोफेसर बलराम कुर्रे, स्वीप कैम्पस एम्बेसडर रेणुका धीवर, विकास सोनवानी, मुस्कान रानी कंवर, समृद्धि महंत, प्रियंका चौहान, भूमिका कुंभकार, कुमकुम किरण, सुमन बिंझवार, अंकिता शर्मा, अजय साहू, प्रवीण कुमार, दीपक प्रसाद, तरूण सारथी, विनय चौहान, भव्य रात्रे, गौरव देवांगन, विवेक सिंह सहित युवा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से लाभान्वित हुए किसान रामप्रकाश कश्यप, केंद्र में त्वरित व पारदर्शी व्यवस्था का मिला लाभ

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

पाली विकासखण्ड के गांव मांगामार के किसान रामप्रकाश कश्यप ने इस वर्ष अपनी 3.5 एकड़ जमीन से उपजाए गए धान को धान खरीदी केंद्र चैतमा में बेचकर सफल धान बिक्री पूरी की।

रामप्रकाश कश्यप ने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से कुल 75 क्विंटल धान केंद्र पर विक्रय किया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन कटाने की प्रक्रिया सरल और समयबद्ध थी, जिससे धान की खरीद तेजी और सुविधा के साथ संपन्न हुई। किसान ने छत्तीसगढ़ शासन की 'त्वरित और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था' की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें अपने धान का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हुआ। यह प्रक्रिया राज्य सरकार की तकनीकी पहल और पारदर्शिता के तहत संचालित की गई, जिससे किसानों को अपने उपज का मूल्य सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से प्राप्त करने का अवसर मिला।

ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की भर्ती हेतु दावा आपत्ति 29 तक आमंत्रित

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)। एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली के आंगनबाड़ी केन्द्र बिच्छीडुग्गू/केराकछार, समरमुड़ा/ परसदा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और समरमुड़ा/परसदा, धवईहापारा/नवापारा, उरांवपारा/माखनपुर, कन्हैयापारा/कर्रानवापारा में सहायिका भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे जिसकी जांच एवं परीक्षण उपरांत अनन्तिम मूल्यांकन पत्रक जारी कर दी गई है। मूल्यांकन पत्रक पर दावा आपत्तियां 29 जनवरी 2026 तक आमंत्रित की गई है। इच्छुक आवेदिकाएं कार्यालयीन दिवस पर प्रात: 10:00 से 5:30 बजे तक परियोजना कार्यालय में अपनी दावा आपत्तियां जमा कर सकती हैं। मूल्यांकन पत्रक परियोजना कार्यालय तथा नगर पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखे जा सकते है। इसके अतिरिक्त संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्र में भी मूल्यांकन पत्रक उपलब्ध कराये गये है जिससे समस्त आवेदिकाओं तक जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

लूट व नकबजनी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार दो फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश

रतनपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को पहले ही भेज दिया है जेल

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

जिले के अलग अलग क्षेत्र में हुई लूट और नकबजनी के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। मामले में दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं, जबकि तीन आरोपी को रतनपुर पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। नकबजनी के दो आरोपी फरार हैं, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से बाइक व चाकू जप्त किया है। आरोपियों को वैधानिक कार्रवाई उपरांत न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पहली घटना पाली थाना क्षेत्र के ग्राम पूटा में 9 जनवरी की रात लगभग 8.30 बजे घटित हुई थी। यहां रहने वाले जगत नेताम से दो पल्सर में सवार चार बदमाशों ने दो हजार की झपटमारी की थी। जिसकी शिकायत जगत नेताम ने थाना पहुंचकर की। दूसरी घटना चैतमा पुलिस चौकी अंतर्गत श्री साई फ्यूल्स में 15-16 जनवरी की दरम्यानी रात घटित हुई। यहां भी पल्सर बाइक में सवार होकर बदमाश पहुंचे, जिन्होंने कर्मचारियों से चाकू की नोंक पर आठ हजार रूपए नगदी को लूट लिया। मामले की शिकायत पेट्रोल पंप संचालक राजकुमार कश्यप ने पुलिस चौकी पहुंचकर की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कप्तान सिद्धार्थ तिवारी ने कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। उनके निर्देश एएसपी कोरबा लखन पटले व एएसपी कटघोरा नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पाली जितेंद्र सिंह यादव व चौकी प्रभारी अफसर खान अपनी टीम के साथ आरोपियों की पतासाजी कर रहे थे। पुलिस को पतासाजी के दौरान अहम जानकारी हाथ लगी, जिसके आधार पर जगत नेताम से हुई नकबजनी के मामले में पाली अस्पताल के पीछे रहने वाले श्रीयष परिहार उर्फ कान्हा 26 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। उसने अपने तीन साथी सुल्तान हुसैन, कामरान अंसारी व वेदप्रकाश वैष्णव उर्फ नीलेश वैष्णव के साथ मिलकर झपटमारी को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

कबाड़ चोरों ने दस टन वजनी लोहे की पुल को किया पार, नहर पार करने वर्षों पहले किया गया था पुल तैयार

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)।

जिले में कबाड़ का अवैध कारोबार बंद होने की बातें तो कहीं जाती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। कबाड़ चोर खदान व औद्योगिक संयंत्रों में सक्रिय तो हैं ही, सार्वजनिक उपयोग के लिए लोहे से निर्मित सामान को भी निशाना बना रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण रशियन हास्टल के समीप घटित घटना से लिया जा सकता है, जिसमें चोरों ने नहर को पार करने बनाए गए दस टन वजनी लोहे के पुल को ही पार कर दिया। घटना से बस्तीवासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है।

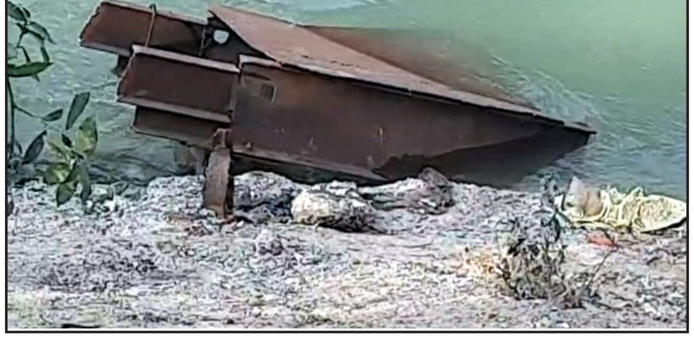

घटना रविवार- सोमवार की दरम्यानी रात घटित हुई है। दरअसल सीएसईबी पुलिस चौकी अंतर्गत ढोंढ़ीपारा व रशियन हास्टल के बीच से बायीं तट नहर गुजरी है। बायीं तट नहर के ऊपर वर्षों पहले करीब 4 फीट चौड़ा व 70 फीट लंबा लोहे का पुल तैयार किया गया था। यह पुल ही क्षेत्र को आपस में जोड़ता था। लोग लोहे से निर्मित पुल का उपयोग आवाजाही में करते आ रहे थे। इस पुल पर भी कबाड़ चोरों की नजर पड़ गई। चोरों ने करीब दस टन वजनी लोहे के पुल को ही पार कर दिया। कबाड़ चोरों के करतूत की भनक लगते ही बस्तीवासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया।

बस्ती में बैठक के दौर शुरू हो गए। मामले की जानकारी पार्षद लक्ष्मण श्रीवास को दी गई। वे वार्डवासियों के साथ मौके पर जा पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर जाकर देखा तो करीब एक टन वजनी लोहे का प्लेट पड़ा मिला, जबकि कबाड़ चोरों ने पुल के शेष हिस्से को पार कर दिया था। लोहे के पुल को गैस कटर से काटे जाने के निशान दिखाई दे रहे थे, जिसे किसी वाहन में लोडकर ले जाया गया था। इस पूरे मामले की शिकायत पार्षद से पुलिस चौकी पहुंचकर दी। मामला सामने आते ही पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। सीएसईबी पुलिस ने पार्षद की रिपोर्ट पर तत्काल जुर्म दर्ज कर लिया। इसके साथ ही आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाए गए लोहे की पुल को पार करने वाले कबाड़ चोरों का सुराग नही मिल सका है। घटना को लेकर पार्षद के नेतृत्व में बस्तीवासियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कप्तान ने कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। उनके निर्देश पर पुलिस व साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंची। इसके साथ ही शहर के दो कबाड़ व्यवसायी मुकेश साहू और रवि साहू के राताखार स्थित गोदाम में दबिश दी गई। जहां कबाड़ से भरे दो वाहन को जप्त किया गया। इसके साथ ही गोदाम को सील कर दिया गया है।

26 जनवरी को मंत्री टंकराम वर्मा जिला मुख्यालय में करेंगे ध्वजारोहण

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा विभाग मंत्री श्री टंकराम वर्मा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के कोरबा जिले में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक एवं जीवंत झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह फुटबॉल ग्राउंड सीएसईबी कोरबा (पूर्व) में आयोजित होगा। प्रात: 08:59 बजे मुख्य अतिथि का समारोह स्थल पर आगमन होगा। प्रात: 09.00 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, प्रात: 09.01 बजे सलामी एवं राष्ट्रगान, प्रात: 09.03 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण एवं हर्ष फायर, 09.12 बजे परेड का मार्च पास्ट, 09.30 बजे परेड की समीक्षा एवं सलामी, 09.32 बजे मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन, 09.47 बजे रंगीन गुब्बारा उड़ाना, 09.50 बजे परेड का प्रस्थान एवं परेड कमाण्डरों का परिचय, 10.05 बजे मुख्य अतिथि के साथ परेड कमाण्डरों की छायाचित्र एवं प्रात: 11.10 बजे आभार प्रदर्शन एवं कार्यक्रम का समापन होगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य व जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से करें पूर्ण : सांसद ज्योत्सना महंत

कोरबा (दिलचस्पी न्यूज)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जल जीवन मिशन के कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें। जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

सांसद श्रीमती महंत ने हाथी प्रभावित क्षेत्रो में आमजनों की सुरक्षा हेतु आवश्यक स्थानों में सोलर हाई मास्ट लाइट लगाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने के निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल में स्वास्थ्य उपचार हेतु आने वाले मरीजों को पर्याप्त सुविधा व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों व स्टॉफ की

नियुक्ति, आवश्यक उपकरण व दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही दूरस्थ इलाकों में पोस्टमार्टम (शव परीक्षण) केंद्र, मर्च्युरी, एंबुलेंस का पहुँच बढ़ाने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीण लोगों को आपातकाल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकें। उन्होंने ग्रामीण वनांचल क्षेत्रों के स्कूलों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था एवं यथास्थानों में किचन शेड व स्टोर रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत हितग्राहियों को नियमित रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। लोगों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हर घर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

सांसद श्रीमती महंत ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में आवगमन के लिए बेहतर सड़क, आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना में जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दिशा में सभी को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। सांसद ने मनरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए गए लक्ष्य के अनुरूप मनरेगा के कार्यो को समय पर पूर्ण करने एवं समय पर मजदूरी भुगतान के संबंध में निर्देश दिए। साथ ही अधिक से अधिक महिला समूह का कौशल उन्नयन कर स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही। हितग्राहियों को पीडीएस दुकानो से समय पर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, ई-श्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की समीक्षा करते हुए प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कोरकोमा
धान उपार्जन केंद्र, चचिया
प्यारेलाल साहू
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, बरपाली (जि.)
धान उपार्जन केंद्र, बरपाली
भोगसिंह कँवर
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, रामपुर
धान उपार्जन केंद्र, रामपुर
ऋषि कुमार पांडेय
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर
धान उपार्जन केंद्र, सोहागपुर
गंगाप्रसाद कश्यप
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, कोथारी
श्री एच. के. चौहान
प्राधिकृत अधिकारी
तुलसी राम साहू
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, फरसवानी
कल्याण सिंह
अध्यक्ष
क्रांति कुमार देवांगन
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चिकनीपाली
धान उपार्जन केंद्र, लबेद
रंजीत सिंह कँवर
प्रबंधक
संतोष यादव
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कोरकोमा
धान उपार्जन केंद्र, कुदमुरा
प्यारेलाल साहू
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, श्यांग
धान उपार्जन केंद्र, चिर्रा
बृजभवन तँवर
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, तिलकेजा
श्री दीपक कँवर
अध्यक्ष
श्री दुलीचंद धीवर
प्रबंधक
गजेंद्र सिंह मरकाम
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, तिलकेजा
श्री दीपक कँवर
अध्यक्ष
श्री दुलीचंद धीवर
प्रबंधक
गजेंद्र सिंह मरकाम
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
धान उपार्जन केंद्र, दुरपा
ललित कुमार रजक
प्रबंधक
मनहरण बिंझवार
फड़ प्रभारी
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, सुखरीकला
धान उपार्जन केंद्र, सुखरीकला
भागवत देवांगन
फड़ प्रभारी
बलराम कश्यप
कंप्यूटर ऑपरेटर
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, श्यांग
धान उपार्जन केंद्र, श्यांग
बृजभवन तँवर
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस अमर रहे।
आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कोरकोमा
धान उपार्जन केंद्र, कोरकोमा
प्यारेलाल साहू
प्रबंधक
समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक घासीगिरी गोस्वामी द्वारा काव्य प्रकाशन एक्सप्रेस टावर आदर्श नगर, विधानसभा रोड, मोवा रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं मुख्य मार्ग कोरबा-चांपा रोड, पत्रकार भवन, बरपाली, जिला-कोरबा से प्रकाशित, संपादक- घासीगिरी गोस्वामी, मो. नं. 94255-48939, फैक्स- नं. (07759) 279100, ई-मेल dilchaspi2009@gmail.com